सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 16 अंक - 354 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, सोमवार 06 अक्टूबर 2025 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

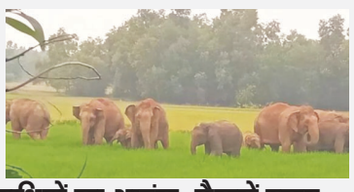

हाथियों का आतंकः सैकड़ों एकड़ फसल किया तबाह

गरियाबंद। मैनपुर विकासखंड इन दिनों हाथियों के उत्पात से बुरी तरह प्रभावित है। बीते एक महीने से 22 से अधिक जंगली हाथियों का दल लगातार क्षेत्र के कई गांवों में फसलों और घरों को नुकसान पहुंचा रहा है। भय का माहौल ऐसा है कि लोग अब अपने मकानों की छतों पर तंबू और मचान बनाकर रात गुजारने को मजबूर हो गए हैं।

हाथियों के इस दल ने अब तक 200 एकड़ से ज्यादा धान, मक्का, तिलहन और दलहन की फसल को पूरी तरह नष्ट कर दिया है। वहीं, कई ग्रामीणों के कच्चे मकानों और झोपड़ियों को भी तोड़ दिया गया है। हाथियों की यह गतिविधि हर शाम शुरू होती है, जब वे जंगल से निकलकर गांवों में घुस आते हैं।

हाथियों का यह दल मैनपुर क्षेत्र के छिन्दौला, लूठापारा, दबनई, धोबीपारा, लेडीबहार, गिरहोला, सिंहार, जिडार, बोडापाला, धवलपुर, तुपेंगा और जरण्डी जैसे कई गांवों में घूम रहा है। ये हाथी दिन में जंगल में रहते हैं और रात को गांवों में आकर तोड़फोड़ करते हैं। ग्रामीणों का कहना है कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत मिले कई मकान अभी तक अधूरे हैं। मजबूरन कई परिवार पॉलिथिन की छत और लकड़ी के सहारे बने मचान पर अपने छोटे बच्चों के साथ रात गुजार रहे हैं। बरसात में इनकी परेशानियां और भी बढ़ गई हैं। वन विभाग के एसडीओ मनोज चंद्राकर ने जानकारी दी कि विभाग की टीमें लगातार हाथी प्रभावित गांवों में पहुंच रही हैं और ग्रामीणों को अलर्ट कर रही हैं। उन्होंने बताया कि जिन किसानों की फसलें नष्ट हुई हैं, उन्हें मुआवजा भी दिया जा रहा है। वहीं, हाथी मित्र दल भी हाथियों की निगरानी में जुटा है।

भारी बारिश : इन जिलों के लिए चेतावनी जारी

रायपुर। छत्तीसगढ़ में मानसून सीजन अब धीरे-धीरे समाप्ति की ओर बढ़ रहा है। मौसम विभाग ने बताया कि, आने वाले दिनों में प्रदेश में बारिश की गतिविधियों में कमी दर्ज की जा सकती है। वर्तमान में राज्य के अधिकांश क्षेत्रों में हल्की से मध्यम बारिश हो रही है, लेकिन यह सिलसिला अधिक समय तक जारी नहीं रहेगा। आज रायपुर और आसपास के इलाकों में हल्की से मध्यम बारिश के साथ गरज-चमक की संभावना जताई गई है। इतना ही नहीं मौसम विभाग ने प्रदेश के कुछ इलाकों में भारी बारिश होने का अलर्ट जारी किया है। वहीं मानसून की विदाई के साथ ही अब प्रदेश में ठंड ने दस्तक देना शुरू कर दिया है।

मौसम विभाग से मिली जानकारी के अनुसार, कांकेर, नारायणपुर, कोंडागांव, बस्तर, दंतेवाड़ा, सुकमा, बीजापुर, बलरामपुर, कोरिया, सूरजपुर, सरगुजा, मनेन्द्रगढ़ और जशपुर जिले में भारी बारिश की संभावना जताई है। मौसम विभाग ने येलो और ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इसके साथ ही मौसम विभाग ने प्रदेश के अधिकांश जिलों में आकाशीय बिजली के साथ बारिश होने की संभावना जताई है। वहीं मौसम विभाग के अनुसार, राजधानी रायपुर में आज हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। धीरे-धीरे बढ़ रही ठंड का असर कृषि कार्यों और फसलों पर भी पड़ेगा। किसानों को सलाह दी जाती है कि वे मौसम पूर्वानुमान पर विशेष ध्यान दें और जल प्रबंधन की योजनाएं बनाएं। मौसम विभाग की इस जानकारी को देखते हुए नागरिकों को भी सलाह दी जाती है कि वे गरज-चमक के समय खुले स्थानों में जाने से बचें और सुरक्षा उपाय अपनाएं।

खनन क्षेत्र में छत्तीसगढ़ बना देश का आदर्श राज्य

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। खनिज संपदा से समृद्ध छत्तीसगढ़ राज्य ने हाल के वर्षों में खनन क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। पारदर्शिता, जवाबदेही और तकनीकी नवाचार को केंद्र में रखकर राज्य ने खनिज प्रशासन में अनेक संरचनात्मक सुधार किए हैं, जिनके परिणामस्वरूप छत्तीसगढ़ देश के अग्रणी खनन राज्यों में सम्मिलित हो गया है। राज्य में विश्वस्तरीय लौह अयस्क, कोयला, चूना पत्थर, बाक्साइट, टिन अयस्क सहित नवीन अन्वेषणों से क्रिटिकल, स्ट्रैटेजिक तथा रेयर अर्थ मिनरल्स की उपलब्धता प्रमाणित हुई है, जिससे राज्य की वैश्विक पहचान सुदृढ़ हुई है।

छत्तीसगढ़ का खनन क्षेत्र राज्य के सकल घरेलू उत्पाद में लगभग 10 प्रतिशत का योगदान दे रहा है, जबकि देश के कुल खनिज उत्पादन में इसकी हिस्सेदारी लगभग 17 प्रतिशत है। राज्य के खनिज राजस्व में 25 सालों में 34 गुना की बढ़ोत्तरी हुई है। राज्य गठन के समय जहाँ खनिज राजस्व मात्र 429 करोड़ रुपये था, वहीं वर्ष 2024-25 में यह बढ़कर 14,592 करोड़ रुपये तक पहुँच गया। यह उपलब्धि राज्य की सुदृढ़ खनिज नीति

और सतत प्रशासनिक सुधारों का परिणाम है।

वर्ष 2015 में संशोधित खनन एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम, 1957 के अंतर्गत गठित खनिज नीलामी नियम 2015 के तहत अब तक राज्य में 60 खनिज ब्लॉकों की सफल नीलामी की जा चुकी है। इनमें 15 लौह अयस्क, 14 बाक्साइट, 18 चूना पत्थर तथा 13 क्रिटिकल व स्ट्रैटेजिक खनिज ब्लॉक सम्मिलित हैं। साथ ही, 05 नए ब्लॉकों (02 चूना पत्थर, 01 लौह अयस्क, 01 स्वर्ण और 01 बेस मेटल ब्लॉक) की नीलामी प्रक्रिया भी प्रारंभ की जा चुकी है।

संचालनालय भौमिकी एवं खनिकर्म, छत्तीसगढ़ ने खनन अनुसंधान एवं अन्वेषण के क्षेत्र में दीर्घकालिक सहयोग के लिए आईआईटी मुंबई, आईआईटी (आईएसएम) धनबाद तथा कोल इंडिया लिमिटेड के साथ एमओयू संपादित किए हैं। इस साझेदारी के माध्यम से क्रिटिकल एवं स्ट्रैटेजिक मिनरल्स की खोज को वैज्ञानिक दृष्टिकोण से गति प्राप्त हुई है।

प्रधानमंत्री खनिज क्षेत्र कल्याण योजना के गाइडलाइन-2024 के अनुरूप राज्य में जिला खनिज संस्थान न्यास नियम, 2025 अधिसूचित किए गए हैं। राज्य में अब तक 16,119 करोड़ रूपए का अंशदान प्राप्त हुआ है, जिसके अंतर्गत 1,05,653 कार्यों को स्वीकृति दी गई, जिनमें से 74,454 कार्य पूर्ण किए जा चुके हैं। वित्तीय स्वीकृति, निगरानी और प्रबंधन में पारदर्शिता सुनिश्चित करने हेतु डीएमएफ पोर्टल 2.0 को क्रियान्वित किया गया है।

खनिज विभाग द्वारा विकसित खनिज ऑनलाइन 2.0 पोर्टल ने राज्य के खनिज प्रशासन को पूर्णतः डिजिटल स्वरूप प्रदान किया है। यह प्रणाली सुरक्षित, बहुआयामी और उपयोगकर्ता-मित्र है, जो पारदर्शिता और दक्षता को बढ़ावा देती है। यह पहल छत्तीसगढ़ को खनन प्रबंधन में एक राष्ट्रीय मॉडल राज्य के रूप में स्थापित कर रही है। ईज ऑफ डूइंग बिजनेस के सिद्धांतों के अनुरूप राज्य में रेत खदानों का आबंटन अब पूर्णतः ऑनलाइन प्रणाली के माध्यम से किया जा रहा है। इस हेतु एमएसटीसी के साथ एमओयू किया गया है। नई व्यवस्था में मानव हस्तक्षेप समाप्त कर संपूर्ण प्रक्रिया पारदर्शी, निष्पक्ष एवं सुरक्षित बनाई गई है।

गौण खनिज नियम, 2015 के अंतर्गत लागू की गई स्टार रेटिंग प्रणाली के तहत खनन, पर्यावरण प्रबंधन, सुरक्षा उपाय और सतत विकास के मानकों पर खदानों का मूल्यांकन किया जा रहा है। इस व्यवस्था के अंतर्गत 03 खदानों को 5-स्टार तथा 32 खदानों को 4-स्टार रेटिंग से सम्मानित किया गया है, जो वैज्ञानिक एवं जिम्मेदार खनन की दिशा में राज्य की प्रतिबद्धता का प्रमाण है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का कहना है कि खनिज संपदा केवल आर्थिक स्रोत नहीं, बल्कि राज्य के सर्वांगीण विकास का आधार है। छत्तीसगढ़ ने खनन क्षेत्र में नीतिगत सुधार, डिजिटल पारदर्शिता और सतत विकास के समन्वित प्रयासों से एक आदर्श प्रशासनिक मॉडल प्रस्तुत किया है। राज्य की यह प्रगति न केवल आर्थिक सुदृढ़ता का संकेत है, बल्कि यह जनहित आधारित विकास की दिशा में एक स्थायी कदम भी है।

पुलिस ने गांजा के साथ आरोपी को किया गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

सारंगढ़। छत्तीसगढ़ के सारंगढ़ जिले में पुलिस ने अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ महत्वपूर्ण कार्रवाई करते हुए 8 किलो 335 ग्राम गांजा के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान गोविंद सिंह के रूप में हुई है। थाना सरिया पुलिस के अनुसार, 4 अक्टूबर 2025 को पेट्रोलिंग के दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि एक सफेद रंग की फोर्ड क्लासिक कार (एमएच 04 जीडी 3812) उड़ीसा से गांजा लेकर सरिया की ओर आ रही है। सूचना मिलते ही पुलिस ने थाना के सामने मेन रोड सामुदायिक भवन के पास घेराबंदी कर कार को रोककर तलाशी ली। तलाशी के दौरान कार के अंदर एक गुप्त चेंबर पाया गया, जिसमें 8 किलो 335 ग्राम अवैध गांजा बरामद हुआ।

पुलिस पूछताछ में आरोपी गोविंद सिंह ने बताया कि उसने ओडिशा से गांजा खरीदकर मध्य प्रदेश के देवास ले जाना था। आरोपी के खिलाफ धारा 20 एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। जब्त किए गए सामान पुलिस ने आरोपी के कब्जे से निम्नलिखित सामान भी जब्त किया: 8 किलो 335 ग्राम गांजा, कीमती लगभग 85,000 एक मोबाइल फोन, कीमती 15,000 सफेद रंग की फोर्ड क्लासिक कार, कीमती 2,00,000 कुल कीमत लगभग 3,00,000 बताई गई है।

सारंगढ़ पुलिस ने आरोपी गोविंद सिंह को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि यह कार्रवाई मादक पदार्थों की तस्करी और वितरण पर रोक लगाने की दिशा में अहम कदम है। थाना प्रभारी ने कहा कि जिले में मादक पदार्थों की तस्करी को रोकने और अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। उन्होंने जनता से अपील की कि यदि कोई व्यक्ति अवैध मादक पदार्थों के परिवहन या बिक्री की जानकारी रखता है, तो तुरंत पुलिस को सूचित करें।

करंट की चपेट में किशोर की मौत

बिलासपुर। जिले के पचपेड़ी थाना क्षेत्र में एक दर्दनाक हादसा हुआ है। खेत में बिछाए गए बिजली के तार की चपेट में आने से 16 वर्षीय नाबालिग की मौके पर ही मौत हो गई। ग्रामीणों ने घायल बच्चे को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्रामीणों ने मवेशियों को खेत में घुसने से रोकने के लिए खेत किनारे बिजली का तार बिछाया था। इसी दौरान 16 वर्षीय बच्चा किसी काम से वहां पहुंचा और करंट की चपेट में आ गया। इसके बाद वह बेहोश होकर गिर पड़ा। आसपास मौजूद ग्रामीण ने तुरंत बच्चे को तार से अलग किया और सीएचसी मस्तूरी ले गए। लेकिन डॉक्टरों ने जांच के बाद गौरव को मृत घोषित कर दिया। सूचना के बाद मस्तूरी पुलिस मौके पर पहुंची और शून्य मर्ग कायम कर आगे की जांच के लिए मामला पचपेड़ी थाना भेजा जा रहा है। गौरतलब है कि इसी तरह की एक घटना पांच महीने पहले ग्राम कोकड़ी में भी हुई थी, जहां खेत के किनारे बिछाए गए बिजली तार की चपेट में आने से 10 वर्षीय पंकज कुमार जगत की मौत हो गई थी। उस मामले में पुलिस ने खेत मालिक के खिलाफ अपराध दर्ज किया था।

छत्तीसगढ़ में बनेगी 500 नई सोसाइटीः मजबूत होगी ग्रामीण अर्थव्यवस्था, बिलासपुर-धमतरी सहित 21 जिलों में पुनर्गठन की प्रक्रिया शुरू

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में प्राथमिक कृषि साख सहकारी सोसाइटियों की पुनर्गठन किया है। इस पुनर्गठन की प्रक्रिया से राज्य के लगभग 21 जिलों में ये प्रक्रिया पूरी हो गई है। बतादें कि 500 नई सोसाइटियां इन जिलों में अस्तित्व में जाएंगी। वहीं राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों की अर्थव्यवस्था इन सोसाइटियों के संचालन से सुधार होने की संभावना है। राज्य में प्राथमिक कृषि साख सोसाइटियों के पुनर्गठन की भाजपा सरकार ने योजना बनाई थी। इस संबंध में अप्रैल 2025 में आमंत्रित की गई थी।

जिन जिलों में दावा-अधिसूचना जारी करते हुए दावा-आपत्ति आपत्तियों का निराकरण हो गया है, वहां सोसाइटियों को अधिसूचित किया गया है। फिलहाल राज्य के 33 जिलों

में से 21 के लिए यह काम पूरा हो गया है। इससे पहले पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के समय पुनर्गठन किया गया था। उस समय सोसाइटियों की संख्या 1333 जो बाद में बढ़कर 2058 हो गई। नए पुनर्गठन में यह संख्या 500 या उससे अधिक बढ़ने की संभावना है।

छत्तीसगढ़ में नवीन बहुउद्देशीय पैक्स, डेयरी तथा मत्स्य समितियों के गठन की कार्ययोजना बनाई गई, जिसे कार्यरूप में परिणीत करने के लिए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के दिशा-निर्देश पर राज्य शासन द्वारा छत्तीसगढ़ में 532 नवीन पैक्स सोसाइटी के गठन की अधिसूचना 4 अप्रैल 2025 को जारी की गई थी। इससे पहले केंद्रीय गृह व सहकारिता मंत्री अमित शाह ने रायपुर में 'सहकार से समृद्धि' विषय पर ली गई पहली बैठक 25 अगस्त 2024 में छत्तीसगढ़ में पैक्स की संख्या बढ़ाने तथा पैक्स की पहुंच गांव-गांव तक ले जाने की मंशा बताई थी।

राज्य के जिन जिलों में सोसाइटियों का पुनर्गठन हो चुका है, उनमें धमतरी, दुर्ग, बालोद, कौरबा, रायगढ़, सारंगढ़-बिलाईगढ़, कोंडागांव, नारायणपुर, गरियाबंद, बलौदाबाजार-भाटापारा, गौरेला-पेंड्रा-मरवाही, सुकमा, सूरजपुर, कोरिया, जशपुर, बिलासपुर, जांजगीर-चांपा, सक्ती, कांकेर, बीजापुर और बलरामपुर शामिल हैं। बताया गया है कि बाकी बचे जिलों में दावा-आपत्ति का निराकरण होने के बाद नई सोसाइटियों को अधिसूचित किया जाएगा।

जानकारों के अनुसार, गांवों में सहकारी सोसाइटियों के बनने से गांवों की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। साथ ही राज्य के विभिन्न गांवों में नवीन सहकारी समितियों के गठन से अब किसानों को अपने गांव में ही किसानों को कृषि ऋण के साथ खाद-बीज लेने, माइक्रो-एटीएम से राशि आहरण की सुविधा मिलेगी। इस नवीन पैक्स में कॉमन सर्विस सेंटर, जनऔषधि केंद्र तथा किसान समृद्धि केंद्र का संचालन किया जाएगा। इससे प्रदेश के किसानों को उनके ग्राम में ही आवश्यक सभी सुविधाएं प्राप्त हो सकेंगी।

हिन्दुओं को गुलामी की आदत

श्रीकंचनपथ

बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने कल रायपुर में तीन बड़ी बातें कही हैं। उनकी बातों से असहमत भी नहीं हुआ जा सकता। सबसे बड़ी बात जो उन्होंने कही वो यह थी कि हिन्दुओं को गुलामी की आदत लग चुकी है। दूसरी बड़ी बात यह कही कि मान्यता तभी मिलती है जब विषय का अध्ययन विदेश में किया गया हो। तीसरी बड़ी बात यह कही कि धर्मांतरण यदि स्वेच्छा से किया गया हो तो कोई बात नहीं पर इसमें जोर जबरदस्ती या प्रलोभन नहीं होना चाहिए। देश का कानून भी यही कहता है। उन्होंने एक बात और कही कि गौवंश की सुरक्षा के लिए गौ-अभयारण्य बनने चाहिए। पहले आते हैं गुलामी पर। गुलामी सिर्फ शारीरिक नहीं होती, यह पहले मानसिक होती है। अपने से बड़े लोगों के प्रति हमारा व्यवहार आरंभ से ही गुलामों वाला रहा है। गांव के गरीब जमींदारों के यहां नीचे बैठा करते थे। अंग्रेजों के सामने हमारे जमींदार हाथ बांधे खड़े रहते थे। उससे भी पहले मुगलों की चाकरी किया करते थे। समाज के ठेकेदार जिसके आगे झुकते थे, शेष समाज भी उनके आगे झुक जाता था। इस व्यवस्था से इंकार करने वालों को आज भी हम बर्दाश्त नहीं कर पाते। इसी से जुड़ा हुआ है हमारा पश्चिम प्रेम। विकसित देशों की सड़कें, वहां के मकान, वहां की आबोहवा से लेकर वहां की गोरी चमड़ी तक, सबकुछ हमेशा आकर्षित करती है। बेशक हम सांवले सलोने शिव, श्रीराम और श्रीकृष्ण की आराधना करते हों पर गोरी चमड़ी के प्रति हमारी दीवानगी रंचमात्र भी कम नहीं हुई है। हमें भले ही अपनी वैज्ञानिक विरासत और प्राचीन सभ्यता पर गर्व हो पर यह भी सही है कि हमारे यहां विदेशी डिग्रियों और सर्टिफिकेशन्स की कद्र कहीं ज्यादा है। इसलिए शास्त्री कहते हैं कि वे जल्द ही कैम्ब्रिज जाकर अलौकिक शक्तियों पर अध्ययन करेंगे, क्योंकि मान्यता तभी मिलती है जब विषय का अध्ययन विदेश में किया गया हो। विदेश की डिग्री लेकर उनका उद्देश्य विदेशों में दरबार लगाना है। स्वामी विवेकानंद से लेकर ओशो, महर्षि महेश योगी, रामदेव बाबा सभी की ख्याति को चार चांद तभी लगे जब उन्हें विदेश में मान्यता दी गई। बिहार स्कूल ऑफ योगा आज भी हाशिए पर ही है। वैचारिक शून्यता का इससे बड़ा कोई प्रमाण और क्या हो सकता है? अंतिम बात गाय को लेकर कही गई है। एक ठोस योजना छत्तीसगढ़ की पिछली सरकार ने शुरू की थी। पर इच्छा शक्ति और चमक-दमक की कमी के कारण योजना अच्छी होते हुए भी पिट गई। अब शास्त्री ने भी कहा है कि गौवंश की रक्षा की जानी चाहिए। हालांकि, उन्होंने इसके लिए गौ-अभयारण्य का सुझाव दिया है। मौजूदा सरकार वास्तविक अरण्यों की सुरक्षा करने में ही नाकाम है फिर गायों के लिए अभयारण्य कहां से लेकर आएंगे। कम्पाउण्ड, मैदान और नाल के किनारे वृक्षारोपण करने से अरण्य नहीं बनते। इसलिए सही होते हुए भी शास्त्री की बातें बेमानी हो जाती हैं।

संपादकीय

दहेज का दानव

बेटियों की साक्षरता में वृद्धि और कामकाजी क्षेत्र में लगातार उनकी बढ़ती भूमिका के बावजूद यदि दहेज उत्पीड़न की घटनाओं में वृद्धि होती है, तो यह शर्मनाक स्थिति ही कही जाएगी। राष्ट्रीय क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो यानी एनसीआरबी की वह रिपोर्ट चौंकती है कि साल 2023 के दौरान देश में दहेज उत्पीड़न की घटनाओं में 14 फीसदी मामले ज्यादा दर्ज किए गए हैं। इस वर्ष के दौरान दहेज के कारण देशभर में 6,100 महिलाओं की मौत दर्ज की गई है। 21वीं सदी को ज्ञान की सदी कहा जा रहा है और हम रूढ़िवादी सोलहवीं सदी में जी रहे हैं।

लड़कियों के साथ यदि परिवार व्यवस्था में भेदभाव होता है और भ्रूण हत्या की प्रवृत्ति बढ़ती है, तो उसके मूल में भी दहेज का अभिशाप ही है। लगातार खर्चीली होती उच्च शिक्षा व्यवस्था में बेटियों की शिक्षा पर बड़ा खर्च करने के बाद यदि मां-बाप को दहेज देना पड़ता है तो यह शर्मनाक स्थिति है। हालांकि, पिछले कुछ समय से पारिवारिक विवाद व अन्य कारकों को दहेज का मामला बनाने के कुछ मामले अदालतों की चिंता का भी विषय रहे हैं। लेकिन इसके बावजूद समाज में दहेज के लिये उत्पीड़न की घटनाएं कटु सत्य है। यह भी एनसीआरबी की रिपोर्ट का यथार्थ है कि देश में हर रोज दहेज के लिये हत्याएं दर्ज हो रही हैं। बेटियों को पढ़ाने तथा सरकारों द्वारा उनके सशक्तीकरण के तमाम प्रयासों के बावजूद दहेज का दानव यदि अट्टहास कर रहा है तो यह हमारे समाज की असफलता ही कही जाएगी।

निस्संदेह, हमारे समाज में सोच में बदलाव लाने की जरूरत है। एक समय नारा लगाया जाता था कि दुल्हन ही दहेज है। इस नारे को हकीकत बनाने की जरूरत है। कहीं न कहीं इस संकट के मूल में पितृसत्तात्मक सोच भी जिम्मेदार है। जिसमें स्त्रियों को वाजिब हक न देकर उन्हें कमतर आंका जाता है। इस बात पर विचार किया जाना चाहिए कि दहेज प्रथा उन्मूलन के लिये सख्त कानून होने के बावजूद इस कुप्रथा पर रोक क्यों नहीं लग पा रही है। आखिर क्यों दहेज निषेध अधिनियम के अंतर्गत मामले लगातार बढ़ रहे हैं। समाज में साक्षरता वृद्धि और जागरूकता अभियानों के बावजूद स्थिति जस की तस है। विडंबना यह है कि दहेज उत्पीड़न के ज्यादातर मामले बड़े हिंदी प्रदेशों में सामने आए हैं।

सबसे ज्यादा उत्तर प्रदेश में और फिर बिहार दूसरे नंबर पर है। ये हजारों मामले समाज में स्त्रियों की विडंबनापूर्ण स्थिति को ही दर्शाते हैं। समाज में उपभोक्तावादी सोच के चलते भी दहेज की प्रवृत्ति को बढ़ावा मिल रहा है। हमें विचार करना होगा कि समाज में दहेज के संकट की जड़ों पर कैसे प्रहार किया जाए। राष्ट्र का विकास तब तक एकांगी ही रहेगा, जब तक आधी दुनिया को समाज में सम्मानजनक स्थान नहीं मिलता। दहेज के मामलों में न्याय भी शीघ्र देने की आवश्यकता है। आज जरूरत इस बात की है कि बेटियों को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाया जाए, ताकि वे समाज में सम्मानजक ढंग से बिना किसी पर निर्भर रहकर जीवनयापन कर सकें।

आधारभूत सुविधाओं की कमी से फल-फूल रहे हैं पाखंडी धर्म गुरु

योगेंद्र योगी

धर्म की आड़ लेकर ऐसे फर्जी बाबा, मौलवी और पादरियों की फेहरिस्त काफी लंबी हैं, जिन्होंने न सिर्फ लोगों को शोषण किया बल्कि धार्मिक आस्थाओं को चोट पहुंचाने का काम किया है। देश में कई ऐसे बाबा हैं जिन्होंने धर्म की आड़ में लोगों का शोषण किया।

भारत में आधारभूत सुविधाओं की कमी एक जटिल मुद्दा है, जिसमें ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा, स्वास्थ्य और स्वच्छता जैसी बुनियादी सुविधाओं का अभाव है, और शहरी क्षेत्रों में भी गुणवत्तापूर्ण बुनियादी ढाँचे (जैसे सड़कें, पुल, आदि) में खामियाँ पाई जाती हैं। इसके मुख्य कारण भूमि अधिग्रहण में बाधाएँ, भ्रष्टाचार, कुशल प्रबंधन की कमी और मांग में वृद्धि हैं। ऐसे हालात देश में ढोंगी बाबाओं को पनपने का मौका देते हैं। ऐसे फर्जी बाबाओं, मौलवियों और पादरियों की सूची में एक नाम और जुड़ गया है। दिल्ली के इंस्टीट्यूट में यौन शोषण के मामला मामला सामने आया है। पुलिस ने मामले में बड़ा खुलासा करते हुए बताया कि 17 छात्राओं ने श्री शारदा इंस्टीट्यूट ऑफ इंडियन मैनेजमेंट के प्रबंधक स्वामी चैतन्यानंद सरस्वती छेड़छाड़ का आरोप लगाया है। पुलिस में दर्ज एफआईआर के मुताबिक, आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग की छात्राओं को देर रात कथित स्वामी चैतन्यानंद सरस्वती के क्वार्टर में बुलाया जाता था। स्वामी चैतन्यानंद सरस्वती मूल रूप से ओडिशा का रहने वाला है और उस पर पहले भी 2009 और 2016 में छेड़छाड़ के केस दर्ज हो चुके हैं।

धर्म की आड़ लेकर ऐसे फर्जी बाबा, मौलवी और पादरियों की फेहरिस्त काफी लंबी हैं, जिन्होंने न सिर्फ लोगों को शोषण किया बल्कि धार्मिक आस्थाओं को चोट पहुंचाने का काम किया है। देश में कई ऐसे बाबा हैं जिन्होंने धर्म की आड़ में लोगों का शोषण किया। बाद में पकड़े गए और अब जेल की सलाखों के पीछे हैं या फरार हैं। हरियाणा के रोहतक की सुनारिया जेल में सजा काट रहे गुरमीत राम रहीम को 2017 में दो साध्वियों से दुष्कर्म के मामले में 20 साल की सजा सुनाई गई थी। इसके अलावा पत्रकार रामचंद्र छत्रपति और डेरा के पूर्व प्रबंधक रंजीत सिंह की हत्या के मामले में भी उन्हें उम्रकैद की सजा मिली। गुरमीत को बार-बार पैरोल और फरलो मिलने की वजह से विवाद भी रहा है। हाल ही में, अगस्त 2025 में उन्हें 40 दिन की पैरोल दी गई, जो उनकी 14वीं रिहाई थी।

राजस्थान की जोधपुर जेल में बंद आसाराम को 2018 में नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई थी। उन पर सूरत की दो सगी बहनों से दुराचार, गवाहों पर हमला और हत्या जैसे गंभीर आरोप हैं। आसाराम का बेटा नारायण साईं भी सूरत की जेल में दुष्कर्म के मामले में उम्रकैद की सजा काट रहा है। हरियाणा के ही एक और बाबा संत रामपाल हिसार जेल में बंद हैं। सतलोक आश्रम चलाने वाले रामपाल पर देशद्रोह, शारीरिक शोषण, अवैध हथियार रखने और सरकारी काम में बाधा डालने जैसे आरोप हैं। जिसके बाद उन्हें उम्रकैद की सजा सुनाई गई। स्वामी भीमानंद, जिन्हें इच्छाधारी बाबा के नाम से जाना जाता है। दिल्ली में देह व्यापार का रैकेट चलाने के आरोप में जेल में हैं। तमिलनाडु में तिरुचिरापल्ली आश्रम चलाने वाले स्वामी परमानंद भी जेल में बंद हैं। उनके ऊपर 13 महिलाओं से रेप के आरोप हैं।

सन 90 के दौर में धीरेंद्र ब्रह्मचारी के ऊपर अपनी गन फैक्ट्री में अवैध विदेशी हथियार रखने के आरोप लगे। एक तांत्रिक के रूप में विख्यात चन्द्रास्वामी के पूर्व प्रधानमंत्री पी वी नरसिम्हा राव से गहरे संबंध थे। ईडी ने उनपर 13 मामलों में फेमा के उल्लंघन के मामले में 9 करोड़ रुपए की पेनल्टी लगाई थी। लंदन के एक व्यापारी के साथ धोखाधड़ी के मामले में 1996 में चंद्रास्वामी को गिरफ्तार किया गया था। राजीव गांधी हत्या मामले में भी उनपर हत्यारों की वित्तीय मदद करने के आरोप लगे थे। राजस्थान के अलवर जिले में बहुचर्चित यौन शोषण के आरोपी कौशलेंद्र प्रपन्नाचार्य उर्फ फलाहारी बाबाफलाहारी बाबा यौन शोषण के मामले में उम्रकैद की सजा हुई। इसके साथ ही कोर्ट ने एक लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया था। मुंबई में राधे मां विवादों में रही। उन पर मिनी स्कर्ट पहनने, भक्तों के गले लगना, उनके साथ डांस करना, यही वजह है कि उनपर अश्लीलता फैलाने का भी आरोप लग चुका है। स्वामी नित्यानंद दक्षिण भारतीय अभिनेत्री के साथ आपत्तिजनक स्थिति में दिखाई दिए जिसके बाद उनके समर्थकों ने खासा हंगामा किया।

उत्तर प्रदेश पुलिस ने जमालुद्दीन उर्फ छांगुर बाबा को धर्मांतरण के आरोप में गिरफ्तार भी किया। बलरामपुर जिले में उनके घर को बुलडोज़र से गिरा दिया। छांगुर बाबा पर धर्मांतरण, विदेशी फंडिंग जैसे आरोप हैं। छांगुर बाबा के 14 ठिकानों पर प्रवर्तन निदेशालय छापेमारी की। बरेली की एक मस्जिद में नमाज पढ़ाने वाले मौलाना ने मस्जिद की साफसफाई करने वाली लड़की को जबरदस्ती पकड़कर उसके साथ गलत काम किया। लड़की द्वारा विरोध करने पर उसकी अश्लील फोटो वायरल करने की धमकी दी गई। पुलिस ने आरोपी मौलाना को गिरफ्तार कर लिया है। गोरखपुर के गुलहरिया थानाक्षेत्र में एक मौलवी ने निकाह का वादा कर युवती के साथ शारीरिक संबंध भी बनाना शुरू कर दिया। जब युवती गर्भवती हो गई और निकाह का दबाव बनाने लगी तब मौलवी फरार हो गया। अलवर जिले में एक मौलवी की ओर से 5 वर्षीय बच्ची से छेड़छाड़ और दुष्कर्म की कोशिश का मामला सामने आया है। पुलिस ने आरोपी मौलवी को गिरफ्तार कर लिया।

इसी तरह स्वयंभू ईसाई धर्म प्रचारक बजिंदर सिंह के खिलाफ पंजाब पुलिस ने यौन उत्पीड़न का मामला दर्ज किया था। साल 2018 में जीरकपुर की एक महिला द्वारा लगाए गए आरोपों के बाद उन पर एक और यौन उत्पीड़न का मामला दर्ज किया गया था। तब बजिंदर को लंदन जाते समय दिल्ली एयरपोर्ट से पकड़ लिया गया था। साल 2023 में बजिंदर सिंह के ठिकानों पर आयकर विभाग ने छापेमारी की थी। तमिलनाडु के कोयंबटूर में ईसाई पादरी को दो नाबालिग लड़कियों के यौन शोषण के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। आरोपी की पहचान 32 वर्षीय जॉन जेबराज के रूप में हुई जो कोयंबटूर के किंग जेनरेशन चर्च में पादरी था और केरल के इलाकों में भी धर्मोपदेश देता था। पुलिस ने उसे पॉक्सो एक्ट के तहत गिरफ्तार किया।

हमारे देश में धर्मभीरु जनता के अंधविश्वासों का फायदा उठाकर बाबागीरी का कारोबार किस तरीके से फल-फूल रहा है, इसका उदाहरण डेरा सच्चा सौदा प्रमुख बाबा राम रहीम प्रकरण में सामने आया। यौन शोषण मामले में सीबीआई अदालत ने जब उन्हें दोषी ठहराया तो पंजाब-हरियाणा के कई हिस्सों में आगजनी-हिंसा हुई। बाबा समर्थकों ने दो रेलवे स्टेशनों में आग लगा दी और कुछ स्थानों पर हालात नियंत्रित करने के लिए कर्फ्यू लगाना पड़ा। अतीत में देश में ऐसी स्थितियां कई बार बन चुकी हैं। हरियाणा में ही 2014 में संत रामपाल के समर्थक ऐसा कर चुके हैं। पुलिस से संत रामपाल के समर्थक सीधे टकराए थे और हालात काबू पाना मुश्किल हो गया था। यही नहीं, मथुरा में बाबा रामवृक्ष के बेकाबू समर्थकों को नियंत्रित करने में पुलिसकर्मियों को भी जान गंवानी पड़ी थी। रामवृक्ष यादव बाबा जय गुरुदेव के अनुयायी थे, जिन्होंने एक निजी सेना बना ली थी और उनकी समानांतर सरकार चलाने का प्रयास किया था। अंततः रामवृक्ष पुलिस के साथ मुठभेड़ में मारा गया।

इससे पहले कथित संत आसाराम बापू के समर्थक ऐसी ही हिमाकत कर चुके हैं। जयपुर में वर्ष 2001 में बाबा जय राम दास के मामले में भी ऐसा ही हुआ। पुलिस ने इस बाबा को अपनी एक महिला भक्त की हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया। इस बाबा पर दर्जनों महिलाओं के यौन शोषण का आरोप लगा। बाबा बीमारी जब के कारण अस्पताल में भर्ती हो गया तब सैकड़ों की संख्या में महिलाएं उसके दर्शन करने पहुंच गई, यह जानते हुए भी इस बाबा पर दर्जनों महिलाओं ने यौन शोषण के आरोप लगाए हैं। दरअसल देश में धर्म की आड़ लेकर लोगों के दुख—दर्द दूर करने का झांसा देने वाला बाबा अपना उल्लू सीधा करते रहे हैं। ज्यादातर लोग गरीबी, बेरोजगारी, बीमारी, सम्पत्ति और घरेलू विवाद के कारण बाबाओं की शरण में जाते हैं। इन समस्याओं के समाधान की जिम्मेदारी चुनी हुई सरकारों की है। सरकारें इनका निदान करने में नाकाम रही हैं। ऐसी समस्याओं से पीड़ित लोग ढोंगी बाबाओं के झांसे में आ जाते हैं। बाबाओं का यह जाल तब तक कायम रहेगा, जब तक सरकारें अपनी जिम्मेदारी ईमानदारी से पूरी नहीं कर पाती।

बिश्नोई गैंग पर कार्रवाई

भारत और विदेशों में भय और असुरक्षा का माहौल बनाने वाले बिश्नोई गिरोह को कनाडा द्वारा आतंकवादी संगठन की सूची में डालने के कारण समझना कठिन नहीं है। यह कदम इस अंतर्राष्ट्रीय अपराध सिंडिकेट के बारे में भारत की चिंताओं को सही साबित करने वाला ही है। वहीं दूसरी ओर यह गैंगस्टर व आतंकवादी गठजोड़ पर कार्रवाई करने का एक स्वागत योग्य प्रयास भी है। जिसने दोनों देशों की कानून प्रवर्तन एजेंसियों को सतर्क भी किया है।

दरअसल, यह गिरोह लॉरेंस बिश्नोई के नेतृत्व में भय व आतंक का पर्याय बना हुआ है। जिसने अनेक हाई-प्रोफाइल अपराधों को समय-समय पर अंजाम दिया है। यह विडंबना है और तंत्र की विफलता भी है कि गैंग का मुखिया पिछले एक दशक से अधिक समय से जेल में बंद है, इसके बावजूद गंभीर अपराधों की योजना बनाता रहा है। बिश्नोई गिरोह पर हाल के वर्षों में कई हाई-प्रोफाइल हत्याओं को अंजाम देने का आरोप है। इन हाई-प्रोफाइल हत्याओं में प्रसिद्ध पंजाबी गायक सिद्धू मूसेवाला, करणी सेना के प्रमुख सुखदेव सिंह गोगामेड़ी और महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री बाबा सिद्दिकी भी शामिल हैं। अपराधियों के गठबंधन ने बार-बार बॉलीवुड स्टार सलमान खान को हत्या की धमकी दी है। इस सिंडिकेट ने सलमान खान के मुंबई स्थित घर के बाहर भी हमले करवाए हैं। इसी तरह कनाडा में पंजाबी कलाकार ए.पी. ढिल्लों और गिप्पी ग्रेवाल के घरों के बाहर गोलाबारी में भी इस गिरोह की भूमिका बतायी गई है। दरअसल, भारत सरकार व कनाडा सरकार ने इस आपराधिक सिंडिकेट के खिलाफ कार्रवाई के लिये इसलिए भी सहयोग बढ़ाया है क्योंकि बिश्नोई गिरोह पर कनाडा में सक्रिय गैंगस्टर गोल्डी बराड़ के साथ मिलकर जबरन वसूली का कारोबार चलाने का आरोप बराबर लगता रहा है। बताया जाता है कि गैंगस्टर गोल्डी बराड़ के खालिस्तान समर्थक आतंकवादी संगठन बब्बर खालसा इंटरनेशनल से करीबी संबंध रहे हैं। जो दोनों देशों की कानून व्यवस्था के लिये एक बड़ी चुनौती बना रहा है।

हाल के दिनों में खबरें आती रही हैं कि बिश्नोई गैंग अपने भीतरी टकराव से जूझ रहा है। गिरोह में लगातार जारी आपसी झड़पों और विश्वासघात की निरंतर बढ़ती घटनाओं ने बिश्नोई गैंग को भीतर से भी कमजोर कर दिया है। इस स्थिति को भारत तथा कनाडा की सरकारों की कानूनी प्रवर्तन एजेंसियों ने इन कुख्यात अपराधियों पर चारों ओर से शिकंजा कसने के अवसर के रूप में देखा है। दरअसल, कनाडा सरकार के द्वारा बिश्नोई गैंग को आतंकवादी संगठन की सूची में शामिल करने के बाद अधिकारियों को उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई करने में सुविधा रहेगी। वहां के कानून के अनुसार बिश्नोई गैंग को आतंकवादी संगठन घोषित करने के बाद अब कनाडाई अधिकारियों को आतंकवादी मामलों में इन अपराधियों के खिलाफअपराध साबित करने के लिये अतिरिक्त साधन व सुविधा मिल सकेगी।

वैश्विक कूटनीति का चातुर्य काल, मोदी डॉक्ट्रिन से मजबूत हुआ भारत

कमलेश पांडे

भारत की संप्रभुता के खिलाफकिसी भी कार्रवाई पर तत्काल और कठोर जवाब दिया जाता है। किसी भी तरह के परमाणु युद्ध या जमीनी युद्ध के डर से भारत पीछे नहीं हटता; बल्कि भारत अपनी शर्तों पर कार्रवाई करता है।

वैश्विक कूटनीति के चातुर्य काल का तात्पर्य उस दौर से है जब विश्व के देशों के बीच कूटनीति (राजनय) और अंतरराष्ट्रीय संबंधों में निपुणता, समझदारी और रणनीतिक कुशलता अत्यधिक महत्वपूर्ण हो जाती है। इस काल में देशों को सीमाओं के पार जटिल राजनीतिक, आर्थिक और सामाजिक संदर्भों में अपने हितों की रक्षा और विस्तार के लिए सूझ-बूझ, संतुलन, संवाद, और मध्यस्थता करनी पड़ती है। 21वीं सदी में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वैश्विक कूटनीति के चातुर्य काल के अधिष्ठाता समझे जाते हैं। उन्होंने समकालीन विश्व को जो कूटनीतिक संदेश दिया है, वह । मोदी डॉक्ट्रिन यानी मोदी सिद्धांत के नाम से मशहूर है।

कहना न होगा कि अंतरराष्ट्रीय कूटनीति का यह काल वैश्विक सत्ता संघर्ष, क्षेत्रीय विवाद, आर्थिक साझेदारी, तकनीकी और आर्थिक सहयोग तथा बहुपक्षीय कूटनीतिक पहलों के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय माहौल को स्थिर और सकारात्मक बनाए रखने के लिए दक्षता और चतुराई की आवश्यकता पर जोर देता है। उदाहरण के रूप में, भारत की हाल की विदेश नीति में अमेरिका-चीन प्रतिद्वंद्विता, मध्य पूर्व संघर्ष, रूस-यूक्रेन युद्ध जैसे वैश्विक तनावों के बीच तटस्थता और संतुलन बनाए रखने की रणनीति, और क्षेत्रीय सहयोग जैसे क्वाड पहल शामिल हैं, जो वैश्विक कूटनीति के चातुर्य काल की एक झलक हैं। निःसन्देह, इस काल में कूटनीतिक क्रियाकलाप बिना बल प्रयोग के अपने राष्ट्रों के योगदान और सुरक्षा सुनिश्चित करने पर केंद्रीत होते हैं। इसलिए, वैश्विक कूटनीति के चातुर्य काल का मतलब समग्र वैश्विक वातावरण में सूझ-बूझ और सामंजस्यपूर्ण कूटनीतिक प्रयासों के माध्यम से अपने और वैश्विक हितों को संतुलित और सुरक्षित रूप से आगे बढ़ाने की क्षमता को कह सकते हैं। यह मोदी डॉक्ट्रिन यानी मोदी सिद्धांत से प्रभावित है।

दरअसल, मोदी डॉक्ट्रिन का मतलब है प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की वह नीति-संहिता, जिसमें भारत अपनी विदेश नीति, सुरक्षा नीति और आतंकवाद के खिलाफ रणनीति में पहले से काफी ज्यादा आक्रामक, आत्मनिर्भर और सक्रिय हो गया है। इस सिद्धांत के तहत भारत हर अंतरराष्ट्रीय मसले में 'भारत के हित' को सर्वोपरि रखता है। भारत अब किसी एक गुट का हिस्सा नहीं बनता, बल्कि सभी देशों से कूटनीतिक संबंध मजबूत करता है। भारत 'मल्टी-अलाइनमेंट' को प्रोत्साहित करता है, ताकि उसकी रणनीतिक स्वतंत्रता बनी रहे।

लिहाजा, 'मेक इन इंडिया' और आर्थिक-तकनीकी आत्मनिर्भरता का भी इसमें खास महत्व है। मोदी डॉक्ट्रिन के अनुसार, भारत अब आतंकवाद के खिलाफ सिर्फ डिफेंसिव नहीं, बल्कि आक्रामक रणनीति अपनाता है। सर्जिकल स्ट्राइक, बालाकोट एयर स्ट्राइक और ऑपरेशन सिंदूर जैसी कार्रवाइयों ने यह दिखाया है कि भारत अब अपनी सुरक्षा के लिए सीमा-पार कार्रवाई करने से नहीं डरता। अब भारत आतंकवादियों के खिलाफडोजियर भेजने की नीति को छोड़कर, सीधे सैन्य दबाव बनाता है।

भारत की संप्रभुता के खिलाफ किसी भी कार्रवाई पर तत्काल और कठोर जवाब दिया जाता है। किसी भी तरह के परमाणु युद्ध या जमीनी युद्ध के डर से भारत पीछे नहीं हटता; बल्कि भारत अपनी शर्तों पर कार्रवाई करता है। भारत की मजबूत स्थिति का अंदाजा इस बात से भी लगाया जा सकता है कि पाकिस्तान के ऊपर परोक्ष रूप से चीनी/अमेरिकी हाथ होने के बावजूद भारत ने उसके छक्के छुड़ा दिया और युद्धोंमत पाकिस्तान को भारत के समक्ष घुटने टेकने व गिड़गिड़ाने को मजबूर कर दिया।

भारतीय संस्कृति, सभ्यता और योग जैसे वैश्विक अभियान भी इसी नीति का हिस्सा हैं। मोदी डॉक्ट्रिन का मतलब है- निर्णायक, निर्भीक, आक्रामक, बहुपक्षीय, आत्मनिर्भर और भारत-हित केंद्रित नीति, जिससे भारत वैश्विक मंच पर ज्यादा शक्तिशाली स्थिति में पहुंचा है। मसलन, आधुनिक संकटों में चातुर्य काल की अवधारणा को लागू करने का मतलब है जीवन में अनुशासन, संयम, और सूझ-बूझ के साथ संकटों का सामना करना। चातुर्य काल में आत्मसंयम, भक्ति, सामाजिक नियमों का पालन, और मानसिक संतुलन बनाए रखना महत्वपूर्ण होता है। इसी प्रकार, आधुनिक संकटों में- जैसे आर्थिक संकट, पर्यावरणीय समस्याएं, सामाजिक अस्थिरता या वैश्विक तनाव- इन गुणों का पालन करके स्थिरता और समाधान की दिशा में काम किया जा सकता है।

चातुर्य काल की तरह, जब हम सीमित संसाधनों में संयमित और विवेकपूर्ण निर्णय लेते हैं, अपने जीवन में नियम और संतुलन बनाए रखते हैं, तो कठिनाइयों का सामना करना आसान हो जाता है। जैसे पारंपरिक चातुर्मास में व्रत और तपस्या से मन की शांति और अनुशासन मिलता है, वैसे ही आधुनिक संकटों में धैर्य, समझदारी, और संतुलित दृष्टिकोण अपनाना आवश्यक है। इसका अर्थ है कि जब बाहरी परिस्थितियाँ अनिश्चित या कठिन हों, तब भी आंतरिक स्थिरता, नैतिकता, और सामाजिक जिम्मेदारी बनाए रखते हुए समाधान खोजने का प्रयास करना। आधुनिक दुनिया में यह वैश्विक कूटनीति, पर्यावरण संरक्षण, आर्थिक नीति, और सामाजिक सौहार्द जैसे क्षेत्रों में लागू किया जा सकता है, जहां सरल जीवन और विवेकपूर्ण कूटनीति से संकट प्रबंधन संभव होता है।

वाकई वैश्विक कूटनीति के 'चातुर्य काल' के बाबत भारत के प्रधानमंत्री मोदी सिद्धांत को इस अद्भुत 'चातुर्य काल' का श्रेय देना ज्यादा उपयुक्त होगा, क्योंकि समकालीन विश्व में चाहे अमेरिका हो, चीन हो, रूस हो, यूरोपीय संघ हो, या अरब देश हों, सभी भारत के युगांतरकारी गुटनिरपेक्ष कूटनीति की मुखापेक्षी बने हुए हैं। चाहे ऑस्ट्रेलिया हो, अफ्रीकी देश हों या दक्षिण अमेरिकी देश, लगभग सभी भारत की तरह संतुलित राह पर अग्रसर रहना चाह रहे हैं। भारत की बढ़ती प्रगति और मजबूत होते आर्थिक व सैन्य सामर्थ्य से उनकी परिवर्तित निष्ठा भी स्वाभाविक है। चूंकि दुनिया के अधिकांश देश रूढ़िवादी/अनुदार देश हैं, इसलिए वो देश भारत की जनापेक्षी मौलिक नीतियों की नकल भी सही तरीके से नहीं कर पा रहे हैं। इसलिए इसको नख से सिख तक समझना हरेक भारतीय के लिए बहुत जरूरी है। सच कहूं तो शांतिपूर्ण विकास व सहअस्तित्व का सिद्धांत ही मोदी प्रशासन का एकमात्र ध्येय है। लेकिन इससे हथियार व गोली-बारूद निर्माता षड्यंत्रकारी पश्चिमी-पूर्वी देशों की अर्थव्यवस्था चरमराने लगी है।

कहना न होगा कि पश्चिमी देश भले ही लोकतंत्र व शांति की माला जपते हैं, लेकिन पर्दे के पीछे से अशांति पैदा करने के लिए आतंकवाद, नक्सलवाद और अंडरवर्ल्ड के गुप्त संरक्षक भी यही हैं ताकि इनके हथियार व गोली बारूद का कारोबार चमकता रहे। इनके नशे और आपराधिक गोरखधंधे का तस्करी नेटवर्क खूब फल-फुले। इससे चिकित्सा व सुरक्षा उपकरणों की बिक्री भी खूब बढ़ती है। क्रिप्टो करेंसी व हवाला की आड़ में ये पूरी दुनिया को अस्थिर व असुरक्षित बनाये हुए हैं।

हालांकि, जब दुनिया के विभिन्न देशों की समझदारी बढ़ी व पूंजीवादी कब्जे तथा लाभ के एकसमान बंटवारे की बात उठी तो उनमें परस्पर होड़ मच गई। फिर इन्होंने क्षेत्र व धर्म के नाम पर इनकी पारस्परिक गोलबंदी बढ़ी। जहां एक ओर ईसाई व यहूदी देश एक हुए, वहीं दूसरी ओर मुस्लिम देश भी परस्पर एक हुए। इससे तीसरी ओर भी जागरूकता बढ़ी और विश्व के हिन्दू-बौद्ध-सिख-जैन धर्म आदि धर्मों से प्रभावित देश भी एकजूट होने के लिए सोचने लगे और भारत-चीन जैसे सामर्थ्यवान देशों ने अपने अंतर्विरोधों को पाटने को सतर्क हो गए।

यदि पुरानी प्रतिद्वंद्विता की बात छोड़ भी दें तो मौजूदा दौर में जी-7, जी-20 बनाम ब्रिक्स व ग्लोबल साउथ के देशों में जो स्वहित साधन की होड़ मची हुई है, उसका ध्येय भी लगभग यही है। इसलिए कोई अमेरिकी छतरी तले जा रहा है तो कोई उसे उतारकर फेंक रहा है। कोई चीनी छतरी में जाने को बेताब है तो कोई इससे परहेज कर रहा है। इससे रूस व भारत की वैश्विक साख पुनः चमक उठी है। दुनियावी देश इनकी वस्तुनिष्ठ नीतियों पर फिदा हुए हैं।इससे परेशान अमेरिका-यूरोप के द्वारा जहां रूस के विरोधी यूक्रेन को भड़काकर रूस पर निरंतर हमलावर बना दिया गया है, वहीं भारत के खिलाफ पाकिस्तान/बंगलादेश को अक्सर सहयोग देकर खड़ा कर दिया जाता है।

उधर, सम्भावित रूस, भारत, चीन गठजोड़ को कमजोर करने के लिहाज से तीसरे प्रमुख देश चीन के खिलाफ भी कभी ताइवान को भड़काया जाता है तो कभी तिब्बत के मसले की हवा दी जाती है। कभी चीन के शिनजियांग प्रान्त के मुस्लिम उत्पीड़न को उभारने की कोशिश की जाती है।चूंकि रूस-चीन-भारत के अंतर्विरोधों से दुनिया सशंकित रहती है, इसलिए क्षुद्र अमेरिकी कूटनीति प्रायः हर जगह सफल हो जाती है। हालांकि, इसी प्रतिक्रियास्वरूप अमेरिका पूरी दुनिया में जहां-जहां भी खड़ा होने के लिए मेहनत करता है, वहां-वहां रूस-चीन-ईरान भी उसके पांव उखाड़ने में मशगूल लगते हैं। यदि वियतनाम, लीबिया, इराक युद्ध में अमेरिकी विफलता की बात अभी भुला भी दी जाए तो अफगानिस्तान से लेकर अरब व खाड़ी देशों तक में अमेरिकी पांव उखाड़ने में रूस-चीन सफल होते प्रतीत हो रहे हैं।

कफ सिरप से बच्चों की मौत की खबरें चिंताजनक

नीरज कुमार दुबे

राजस्थान में हालात और भी उलझे हुए हैं। सरकार द्वारा मुफ्त दवा योजना में बांटी जा रही डेक्स्ट्रोमेथॉर्फन-आधारित सिरप लेने के बाद सीकर, भरतपुर और बांसवाड़ा के कई बच्चों में गंभीर लक्षण दिखे, जैसे- उल्टी, चक्कर, बेहोशी और घबराहट।

मध्य प्रदेश और राजस्थान से बच्चों की मौतों की जो खबरें आईं, उन्होंने पूरे देश की नींद उड़ा दी है। महज़ खांसी-जुकाम जैसी सामान्य बीमारी के लिए दी जाने वाली खांसी की दवा, बच्चों के जीवन पर इतनी घातक साबित होगी, इसकी कल्पना भी नहीं की गई थी। पिछले एक महीने में मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा ज़िले में 9 बच्चों की मौत और राजस्थान के विभिन्न जिलों में 3 बच्चों की मौत ने चिकित्सा व्यवस्था, दवा नियमन और प्रशासनिक सतर्कता, तीनों पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

हालांकि केंद्र सरकार ने साफ़ किया है कि मध्य प्रदेश से लिए गए 19 सैंपल्स में से 9 की जांच रिपोर्ट में डायथिलीन ग्लाइकोल या एथिलीन ग्लाइकोल जैसी जानलेवा रसायनों की मौजूदगी नहीं पाई गई है। हम आपको बता दें कि यह वही तत्व हैं जिन्होंने 2019 में जम्मू और 2022-23 में गाम्बिया व उज्बेकिस्तान जैसे देशों में भारतीय दवाओं को लेकर वैश्विक स्तर पर विवाद। हम आपको बता दें कि छिंदवाड़ा के परासिया और आसपास के गांवों में अगस्त के अंत से बच्चों में सर्दी-खांसी और हल्का बुखार देखा गया। डॉक्टरों ने उन्हें साधारण खांसी की सिरप और दवाएं दीं। लेकिन कुछ ही दिनों में बच्चों की तबीयत बिगड़ने लगी, पेशाब कम होना, शरीर में सूजन और किडनी से जुड़ी जटिलताएं बढ़ने लगीं। नतीजतन, नौ मासूमों की जान चली गई और पांच बच्चे नागपुर में विशेष इलाज के लिए भर्ती हैं।

राजस्थान में हालात और भी उलझे हुए हैं। सरकार द्वारा मुफ्त दवा योजना में बांटी जा रही डेक्स्ट्रोमेथॉर्फन-आधारित सिरप लेने के बाद सीकर, भरतपुर और बांसवाड़ा के कई बच्चों में गंभीर लक्षण दिखे, जैसे- उल्टी, चक्कर, बेहोशी और घबराहट। इनमें तीन बच्चों की मौत भी हो चुकी है। राज्य स्वास्थ्य विभाग ने भले ही इन मौतों को सीधे दवा से जोड़ने से इंकार किया हो, लेकिन तत्काल प्रभाव से संबंधित कंपनियों की दवाओं की आपूर्ति रोक दी गई है। जयपुर स्थित Kaysans Pharma की 19 दवाओं पर रोक इसीलिए लगाई गई क्योंकि कंपनी की दवा गुणवत्ता का रिकॉर्ड पहले से संदिग्ध रहा है। कंपनी के 10,119 सैंपल्स में से 42 घटिया पाए गए थे।

देखा जाये तो भारत दुनिया का फार्मेसी हब कहलाता है, लेकिन समय-समय पर घटिया दवाओं के मामले हमारी छवि को धूमिल करते हैं। सवाल यह है कि जब दवा कंपनियों के खिलाफ पहले से संदिग्ध रिपोर्ट थीं, तो उन्हें सरकारी योजनाओं में शामिल क्यों किया गया? साथ ही विशेषज्ञ लगातार कहते आए हैं कि दो साल से छोटे बच्चों को खांसी-जुकाम की दवाएं नहीं दी जानी चाहिए। लेकिन ग्रामीण और अर्धशहरी इलाकों में अक्सर बिना उचित परामर्श के इन्हें दिया जाता है। यही लापरवाही जानलेवा बनती है। केंद्र सरकार ने तो फिलहाल MP के सैंपल्स को सुरक्षित बताया है, लेकिन बाकी रिपोर्टें अभी आनी बाकी हैं। जब तक सभी जांच पूरी नहीं होतीं, तब तक कोई भी निष्कर्ष जल्दबाजी होगा। फिर भी राज्यों और केंद्र के बयानों में तालमेल की कमी आम जनता की चिंता बढ़ाती है।

अक्सर देखने में आता है कि ग्रामीण परिवार खांसी-जुकाम को हल्का समझकर बच्चों को अपने आप ही दवाएं दे देते हैं। यहां यह समझना जरूरी है कि बच्चों की रोग-प्रतिरोधक क्षमता अलग होती है और कई दवाओं के दुष्प्रभाव घातक हो सकते हैं।

इस बीच, स्वास्थ्य मंत्रालय ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को साफ़ हिदायत दी है कि दो साल से छोटे बच्चों को खांसी-जुकाम की दवाएं न दी जाएं। डॉक्टरों और पैरामेडिकल स्टाफ को इसके लिए विशेष प्रशिक्षण और दिशा-निर्देश जारी करने होंगे। आगे की राह क्या हो यदि इस पर गौर करें तो सबसे पहला काम यह होना चाहिए कि जिन कंपनियों का रिकॉर्ड खराब है, उनकी दवाओं को सरकारी आपूर्ति श्रृंखला से तत्काल हटाया जाना चाहिए। साथ ही, फार्मा कंपनियों के लिए कठोर ऑडिट और बार-बार टेस्टिंग अनिवार्य की जानी चाहिए। इसके अलावा, जहां प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों की भूमिका अहम है, वहां दवाओं के सही उपयोग और खुराक के बारे में स्पष्ट गाइडलाइन दी जानी चाहिए। साथ ही परिवारों को बताना चाहिए कि बच्चों को बिना डॉक्टर की सलाह के खांसी-जुकाम की सिरप न दें। साधारण घरेलू देखभाल जैसे भाप, गर्म पानी और साफ-सफाई कई बार ज्यादा प्रभावी होती है। इसके अलावा, मौत के मामलों पर स्पष्ट रिपोर्ट जनता के सामने समय पर लाना सरकार की जिम्मेदारी है, ताकि अफवाहें और डर न फैलें।

देखा जाये तो यह केवल छिंदवाड़ा या राजस्थान का मामला नहीं है, बल्कि पूरे देश के लिए चेतावनी है। बच्चों की जिंदगी से जुड़ा यह संकट हमें यह सोचने पर मजबूर करता है कि क्या हमारी दवा निगरानी प्रणाली उतनी सख़्त है, जितनी होनी चाहिए? क्या हमने स्वास्थ्य सेवाओं में सतर्कता और जिम्मेदारी को पर्याप्त महत्व दिया है? बहरहाल, इन सवालों के जवाब केवल जांच रिपोर्टों से नहीं, बल्कि प्रणालीगत सुधारों से आएंगे। आज जरूरी है कि हर मौत को गम्भीरता से लिया जाए, ताकि भविष्य में कोई मासूम अपनी जान न गंवाए। यह हादसा केवल एक त्रासदी नहीं, बल्कि स्वास्थ्य सुरक्षा तंत्र को मजबूत करने की अनिवार्य पुकार है।

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाऐं
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544
www.onlytds.com

श्रीकंचनपथ
भिलाई-दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करे
Mob.-:
9303289950
7987166110

खास खबर

सेवा सप्ताह में लायंस क्लब के सदस्यों ने रक्तदान कर महादान का दिया संदेश

दुर्ग। लायंस क्लब ऑफ़दुर्ग सिटी द्वारा 1 अक्टूबर से 8 अक्टूबर तक सेवा सप्ताह मनाया जा रहा है। सेवा सप्ताह के दौरान क्लब द्वारा विभिन्न समाजसेवी एवं रचनात्मक कार्यों को मूर्तरुप दिया जाएगा। सेवा के श्रृंखला में लायंस क्लब ऑफ़दुर्ग सिटी ने जिला अस्पताल के ब्लड बैंक में रक्तदान शिविर का आयोजन किया। इस दौरान लायन जाफ़र सादाब, महमूद अली हिरानी,अमर सिंह गुप्ता, श्रुति तिवारी, कमलेश सिंह राजपूत के अलावा अन्य लोगों ने रक्तदान कर महादान का संदेश दिया। यह रक्त जररुतमंदों को उपलब्ध कराए जाएंगे। इसके अलावा क्लब के सदस्यों ने अस्पताल के शिशु वार्ड में जाकर नवजात शिशुओं के परिजनों को आवश्यक उपयोगी किट्स भेंट की। पूरे कार्यक्रम में जिला अस्पताल के सिविल सर्जन डॉ. एके मिंज मुख्य अतिथि रहे। विशेष अतिथि के रुप में जिला अस्पताल जीवनदीप समिति के आजीवन सदस्य दिलीप ठाकुर मौजूद रहे। मुख्य अतिथि और विशेष अतिथि द्वारा लायंस क्लब ऑफ़दुर्ग सिटी के सेवाभावी कार्यों की सराहना की गई। इस दौरान लायंस क्लब ऑफ़दुर्ग सिटी की अध्यक्ष लायन आकांक्षा मिश्रा तिवारी ने अतिथियों को क्लब के सेवाभावी गतिविधियों से अवगत कराया। कार्यक्रम में क्लब के सचिव हरमीत सिंह भाटिया, कोषाध्यक्ष अनीता तिवारी, सेवा सप्ताह संयोजक अमर सिंह गुप्ता ,कार्यक्रम प्रभारी पीएमजेएफसतीश सुराना, एसपी डुलाई, जफ़र शादाब, महमूद अली हिरानी, रौनक जमाल, सुनील अग्रवाल, राजेंद्र अग्रवाल के अलावा अन्य सदस्य मौजूद रहे।

पतंजलि परिवार का 25 दिवसीय सह-योग शिक्षक प्रशिक्षण जारी

भिलाई। पतंजलि परिवार, दुर्ग की ओर से 25 दिवसीय सह-योग शिक्षक प्रशिक्षण जारी है। ऑनलाइन और ऑफ्लाइन दोनों मोड पर दुर्ग-भिलाई के 4 प्रमुख स्थानों पर इस प्रशिक्षण के अंतर्गत न सिर्फयोग बल्कि आयुर्वेद , दर्शन व वेद की भी जानकारी दी जा रही है। पतंजलि परिवार की ओर से दुर्ग जिला प्रभारी नरेंद्र पटेल ने बताया कि ऑनलाइन मोड पर 17 सितंबर से यह प्रशिक्षण शुरु हो चुका है। वहीं ऑफ्लाइन मोड पर गायत्री मंदिर रामनगर,इस्पात क्लब सेक्टर-7 भिलाई, गजानंद मंदिर आर्य नगर दुर्ग और एचएससीएल कालोनी रूआबांधा में प्रशिक्षण जारी है। ऑफलाइन प्रशिक्षण का समय सुबह 6 से 7:30 बजे रखा गया है। नरेंद्र पटेल ने बताया कि यह 25 दिवसीय प्रशिक्षण 100 घंटे का है, जिसमें प्रैक्टिकल और थ्योरेटिकल दोनों तरह के अध्ययन कराए जा रहे हैं। इसके पश्चात 1 घंटे की परीक्षा होगी, जिसे उत्तीर्ण करने वाले साथी को पतंजलि योगपीठ, हरिद्वार द्वारा सहयोग शिक्षक प्रशिक्षित का प्रमाण पत्र प्रदान किया जाएगा। इसके अंतर्गत यहां योग व आयुर्वेद का पाठ्यक्रम संचालित किया जा रहा है जिसमें दर्शन, वेद और उपनिषद के विषय में भी परिचय दिया जा रहा है।

धान का कटोरा कहे जाने वाले छत्तीसगढ़ में किसानों को मिला जीएसटी सुधार का लाभः सांसद बघेल

जीएसटी बचत उत्सवः हार्वेस्टर, ट्रैक्टर खरीदी में किसानों को मिली बड़ी राहतः विधायक ललित चंद्राकर

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग । सांसद विजय बघेल व दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर जीएसटी बचत उत्सव के बीच औचक निरीक्षण पर पुलगांव स्थित हार्वेस्टर ट्रैक्टर शोरूम पहुंचे। सांसद व विधायक ने यहां किसानों से आत्मीय संवाद कर जीएसटी कटौती पर उनकी प्रतिक्रिया और खरीदी में हुई बचत की जानकारी ली। विधायक ललित चंद्राकर व सांसद विजय बघेल ने शोरूम में ट्रैक्टर और हार्वेस्टर खरीदने आए किसानों को चाबी सौंपकर शुभकामनाएं दीं।

सांसद व विधायक ने नगपुरा निवासी गिरेश साहू पिता भगतराम साहू व कमलकांत साहू को उनके नए हार्वेस्टर की चाबी सौंपी। इस अवसर पर खुशी व्यक्त करते हुए गिरेश साहू ने कहा, मैने सपने में भी नहीं सोच था कि मैं नया हार्वेस्टर खरीदूंगा। मैं सेकेंड हैंड हार्वेस्टर खरीदने के बारे में सोच रहा था। जीएसटी उत्सव में नए हार्वेस्टर खरीद पर मुझे पूरे 2 लाख रुपए की बचत हुई है। किसानों की चिंता का समाधान हमारे संवेदनशील प्रधानमंत्री मोदी जी और किसान हितैषी मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ही कर सकते हैं। क्षेत्र के सांसद विजय बघेल व दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर ने स्वयं मुझे मेरे नए हार्वेस्टर की चाबी सौंपी और मुझसे बेहद आत्मीयता से संवाद किया। मैंने उन्हें बताया कि मेरे पास दो एकड़ खेत है और अब हार्वेस्टर आने से मैं गांव में साझेदारी से और अधिक खेती कर पाऊंगा। गिरेश साहू ने जीएसटी में कटौती के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आभार जताया। सांसद व विधायक से संवाद करते गिरेश साहू ने बताया कि जीएसटी में कटौती के बाद नए हार्वेस्टर की खरीदी पर पूरे 2लाख रुपए की बचत हुई है। उन्होंने कहा कि इस बचत से उनका परिवार त्योहार को और अच्छे से मना सकेगा।

ट्रैक्टर हार्वेस्टर शो रूम के प्रोप्राइटर बाबूलाल जैन ने सांसद व विधायक से संवाद में बताया कि जीएसटी में कटौती के कारण बिक्री में इज़ाफ़ हो रहा है और ग्राहकों का उत्साह बढ़ा है। उन्होंने कहा, पहले जो ट्रैक्टर 10.25 लाख रुपए का आता था, वह अब 9.75 लाख रुपए में उपलब्ध है, जिससे किसानों को 50 हजार रुपए की बचत हो रही है। इसी तरह 7.62 लाख का ट्रैक्टर अब 7.21 लाख और 6.51 लाख का ट्रैक्टर अब 6.11 लाख रुपए में मिल रहा है। कीमतों में कटौती और फेस्टिवल डिस्काउंट से किसानों की बड़ी बचत हो रही है। जीएसटी दर घटने के बाद हार्वेस्टर भी सस्ते हो गए हैं।

दुर्ग सांसद विजय बघेल ने कहा इस जीएसटी बचत उत्सव से उपभोक्ताओं की जेब पर बोझ कम हुआ है और त्यौहारी सीजन में परिवारों की खुशियाँ बढ़ी हैं। यह सुधार न केवल आर्थिक गतिविधियों को गति दे रहा है बल्कि ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में उत्साह और समृद्धि का नया वातावरण भी बना रहा है।

इस अवसर पर दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में लागू जीएसटी 2.0 ने आम जनता, किसानों और उपभोक्ताओं को वास्तविक राहत दी है। ट्रैक्टर, हार्वेस्टर और अन्य कृषि यंत्रों की कीमतों में आई कमी से किसानों को सीधा लाभ हो रहा है, जिससे उनकी खेती-किसानी और जीवनयापन और सुगम होगा। इस अवसर पर प्रमुख रूप शोरूम के संचालक बाबूलाल जैन, योगेश जैन, अल्पेश जैन, नितेश जैन, भाजपा जिला मंत्री गिरेश साहू, छ ग राइस मिल एसोसिएशन अध्यक्ष कांतिलाल बोथरा, पूर्व जिला उपाध्यक्ष कांतिलाल जैन भाजपा सदर मंडल अध्यक्ष महेंद्र लोढ़ा, भाजपा नेता दीपक चोपड़ा, चैंबर ऑफ कॉमर्स अध्यक्ष अनूप गटागट, समाज सेवी निर्मल लोढ़ा, समाज सेवी आशीष लूनिया एवं अन्य किसान गण उपस्थित थे।

तिरगा में आयोजित रक्तदान शिवर में सम्मिलित हुए दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर

रक्तवीर और स्वच्छता मित्रो का किया सम्मान

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। माय भारत दुर्ग एवं सर्जना युवा समिति तिरगा के संयुक्त तत्वधान में गायत्री मंदिर परिसर तिरगा में आयोजित स्वैच्छिक रक्त दान शिविर रक्त दाता एवं स्वच्छता में सहयोग करने वाले भाई बहन का सम्मान समारोह कार्यक्रम में दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर सम्मिलित होकर रक्तवीर को प्रणाम पत्र और हेल्मेट प्रदान कर सम्मानित किया साथ ही स्वच्छता मित्रो को गिफ्ट प्रदान कर सम्मानित किया।

नेत्र परीक्षण और स्वास्थ प्रशिक्षण : इस अवसर पर नेत्र परीक्षण और स्वास्थ प्रशिक्षण किया गया। एक पेड़ मां के नाम अभियान: आम का पेड़ रोपित कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। इस अवसर पर प्रमुखरूप- सरपंच घसिया राम देशमुख- उपसरपंच सुखीत राम रुक्मण देशमुख- रघुनाथ देशमुख- हेमंत ऋषि- देवी सिंह तोरण देशमुख- रुपेश देशमुख- मानसिंह देशमुख- धनश्याम- भूपेन्द्र बेलचंदन- माय भारत प्रमुख नितिन शर्मा। उपस्थित रहे। रक्तवीर नितिन शर्मा 44 बार, हेमंत ऋषि 23, रूपेश देशमुख 13 ,रूपेश निषाद 13, लक्ष्मीकांत 8, तोरण देशमुख 22,ओंकार बेलचंदन 10,चन्द्र भूषण 06,रघुनाथ 1, किशोर 2बार रक्तदान किया है और आज सभी रक्त दान किए।

इस अवसर पर विधायक ललित चंद्राकर अपने संबोधन में रक्तदान शिविर में भाग लेने वाले सभी रक्तदाताओं को धन्यवाद दिया और कहा कि रक्तदान एक महान कार्य है जो किसी की जिंदगी बचा सकता है। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण के लिए वृक्षारोपण का महत्व भी बताया।

प्रदर्शनी में स्वदेशी उत्पादों ने लोगों को किया खासा आकर्षित जनप्रतिनिधियों ने आत्मनिर्भर महिलाओं का बढ़ाया हौसला

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग । देश की सबसे बड़ी व्यापारी संगठन कॉफेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) की दुर्ग जिला महिला इकाई द्वारा स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने एवं महिलाओं को स्वालंबन से जोड़कर आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से आयोजित दीपावली एग्जिबिशन में रविवार को लोगों की बड़ी संख्या में भीड़ जुटी। दीपावली एग्जीबिशन में दुर्ग भिलाई की महिलाओं द्वारा कुल 44 स्टाल लगाए गए ।

स्टॉल में उनके स्वदेशी, पारंपरिक व फैंसी उत्पादों को लोगों ने खूब पसंद किया। स्टॉलों में धान व सुतली से निर्मित ज्वेलरी, हर्बल हेयर ऑयल, साबुन, परफ्यूम, कपड़े, चादर, गर्म कपड़े, भगवान के पोशाक, हेण्डीक्राफ्ट, हैंड बैग, मिट्टी व गोबर के दिए, रंगोली डिजाइनर, आचार, पापड़, मुखवाश, मैगी, तिल-गुड़ के लड्डू, टेटरी, खुरमी के अलावा अन्य स्वनिर्मित उत्पादों ने लोगों को खासा आकर्षित किया,वहीं छत्तीसगढ़ी व्यंजन फरा-चिला, टेटरी खुरमी, गुपचुप का लोगों ने जमकर लुत्फ उठाया। इसके अलावा मनोरंजक गेम का खूब आनंद लिया। इस एग्जीबिशन ने दीपावली पूर्व शहर में रौनक बढ़ा दी है।

जिससे एग्जीबिशन स्थल सिटी सेंटर मॉल, फरिश्ता कॉम्प्लेक्स के पास देर शाम तक लोगों की भीड़ रही। दीपावली एग्जीबिशन का सांसद विजय बघेल और महापौर अलका बाघमार ने दीप प्रज्जवलित कर उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने ने एग्जीबिशन का निरीक्षण किया और महिलाओं के उत्पादों की सराहना की। इसके अलावा आरएसएस के पूर्व छत्तीसगढ़ प्रमुख बिसराराम यादव, जिला भाजपा अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक, एमआईसी सदस्य नीलेश अग्रवाल, भाजपा मंडल अध्यक्ष महेंद्र लोढ़ा, दुर्ग रेंज के आईजी रामगोपाल गर्ग, पूर्व विधायक अरुण वोरा, पूर्व महापौर धीरज बाकलीवाल, पूर्व सभापति राजेश यादव, श्री साई मंदिर समिति के अध्यक्ष श्रीकांत समर्थ, चैंबर ऑफ़ कॉमर्स के प्रदेश महामंत्री अजय भसीन, उपाध्यक्ष अशोक राठी, प्रहलाद रुंगटा,कैट दुर्ग जिला अध्यक्ष प्रकाश सांखला, महामंत्री प्रकाश गोलछा, कैट चैयरमैन पवन बड़जात्या, संजय चौबे, कैट संभाग प्रभारी मोहम्मद अली हिरानी, चेंबर दुर्ग इकाई महामंत्री कुलदीप सिंह, कैट युवा इकाई अध्यक्ष रवि केवलतानी, महामंत्री आशीष खंडेलवाल के अलावा अन्य जनप्रतिनिधि, व्यापारी और प्रशासनिक अधिकारियों ने शामिल होकर महिलाओं का हौसला बढ़ाया। यह एग्जीबिशन कैट की दुर्ग जिला महिला इकाई अध्यक्ष सुश्री पायल जैन के नेतृत्व में आयोजित किया गया। सुश्री जैन ने बताया कि स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने एवं महिलाओं को स्वालंबन से जोड़कर आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में कैट संगठन लंबे समय से कार्य कर रही है। जिसके अब अच्छे परिणाम आ रहे है, लेकिन ऐसे आत्मनिर्भर महिलाओं को स्वनिर्मित उत्पादों के प्रदर्शन के लिए बड़ा बाजार उपलब्ध नहीं हो पाता है। जिन्हे बाजार उपलब्ध करवाने कैट की महिला विंग लगातार मेला व प्रदर्शनी का आयोजन कर रही है। पूर्व में भी मेला व प्रदर्शनी का

आयोजन किया गया था। जिसमें महिलाओं के उत्पादों को अच्छा रिस्पांस मिला था। यह मेला व प्रदर्शनी महिलाओं के आर्थिक विकास में बड़ा मददकारी साबित हो रहा है। दीपावली एग्जिबिशन के दौरान कैट की दुर्ग जिला महिला इकाई अध्यक्ष सुश्री पायल जैन, महामंत्री गूंजा पींचा, चेयरमैन तृप्ति सिंह संरक्षक शारदा गुप्ता, विनीता गुप्ता, उपाध्यक्ष नीति बल्लेवार, विनीता शर्मा, सचिव नमिता शर्मा, कोषाध्यक्ष अमीना हिरानी, डेविड सरीन, सहसचिव प्रतिभा पुरोहित, कैट कार्यकारी अध्यक्ष नेहा खंडेलवाल, प्रीति सोनी, प्रतीका चौहान, शशि सोनी के अलावा सहयोगी संस्था कैट युवा विंग व स्वावलंबी भारत अभियान के सदस्य व्यवस्था बनाने में सक्रिय रहे।

आत्मनिर्भर भारत अभियान पर भाजपा की कार्यशाला

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में चल रहे आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत केंद्र सरकार द्वारा किए गए जीएसटी स्लैब में कटौती और उसके लाभों की जानकारी जनता तक पहुँचाने के उद्देश्य से भाजपा कार्यकर्ताओं के लिए विशेष कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का आयोजन पंडित दीनदयाल उपाध्याय मध्य मंडल भाजपा द्वारा लिटिल किड्स स्कूल, आर्य नगर दुर्ग में किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में दुर्ग ग्रामीण विधायक एवं राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के उपाध्यक्ष ललित चंद्राकर तथा महापौर श्रीमती अल्का बाघमार उपस्थित रहीं।

कार्यक्रम की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष हरीश (बंटी) चौहान ने की। कार्यशाला में जिला भाजपा महामंत्री विनोद अरोड़ा, उपाध्यक्ष शिवेंद्र परिहार, वरिष्ठ नेता राजेश ताम्रकार, प्रवक्ता दिनेश देवांगन सहित अन्य वक्ताओं ने कार्यकर्ताओं को आत्मनिर्भर भारत की अवधारणा और जीएसटी में कटौती से जनता को मिलने वाले लाभों के बारे में विस्तार से

जानकारी दी। वक्ताओं ने कार्यकर्ताओं से आग्रह किया कि वे घर-घर जाकर लोगों को जागरूक करें और स्वदेशी उत्पादों के उपयोग को प्रोत्साहित करें।

कार्यशाला के पश्चात महापौर अल्का बाघमार के नेतृत्व में भाजपा पदाधिकारी और कार्यकर्ता अग्रसेन चौक, स्टेशन रोड स्थित दुकानों में पहुँचे, जहाँ व्यापारियों से संवाद कर जीएसटी छूट संबंधी स्टीकर लगाए गए और उनकी फीडबैक ली गई।

इस अवसर पर पूर्व मंडल अध्यक्ष मदन वाढई, महामंत्री रीता मेश्राम, वरिष्ठ नेता राजेश ताम्रकार, एमआईसी प्रभारी शेखर चंद्राकर, पार्षद शशि द्वारका साहू, आशीष चंद्राकर, मनोज सोनी, साजन जोसेफ श्रीमती लोकेश्वरी ठाकुर, विद्यावती सिंह, सावित्री दमाहे, ललिता ठाकुर, जयश्री देशमुख, रोशनी साहू, मीना सिंह, वीरेंद्र तन्ना, उमेश गिरी, संदीप भाटिया, महेश देवांगन, निरंजन दुबे, संदीप कहार, गिरीश यादव, रेखा चंद्राकर, ओमप्रकाश सोनी, शंकर यादव, देवेश शुक्ला, राजेश शुक्ला, बी.डी. यादव, गोपाल खत्री, दीपक साहू, अजय विश्वकर्मा, देवल मोहन देशमुख, सोलंकी जी, प्रहलाद देवांगन, शालिनी दिल्हीवार, वर्षा वर्मा, श्रीमती चंद्रिका साहू, सविता सुलाखे, श्वेता सिंह, चंचला सेन, चंद्रकांत साहू, संजय केसवानी, रमणीक मेघनानी सहित भाजपा के बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे। भाजपा द्वारा यह राष्ट्रव्यापी कार्यक्रम 25 सितंबर (पं. दीनदयाल उपाध्याय जयंती) से लेकर 25 दिसंबर (भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी जयंती) तक चलाया जा रहा है, जिसके तहत देशभर में आत्मनिर्भर भारत और स्वदेशी उत्पादों के उपयोग के लिए जन-जागरण अभियान चलाया जा रहा है।

Since 1972
CROWN-TV
Choice Of Millions
Washing Machine / Cooler
Available All Size

CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 22
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line

उत्साह और जोश से लबरेज स्वयंसेवकों ने पूरे शान के साथ निकाला पथ संचलन, संतों ने दिया आशीर्वचन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, रायपुर महानगर के अंतर्गत विजयादशमी के अवसर पर सभी नगरों में गत 25 सितबर से बस्तीश: चल रहे उत्सव और संचलन का कार्यक्रम पूरे उमंग और जोश के साथ चल रहा है। आगामी 15 अक्टूबर तक चलनेवाले उत्सव कार्यक्रम के 10 वें दिन 37 स्थान पर उत्साह और जोश से लबरेज स्वयंसेवकों ने पूरे शान के साथ पथ संचलन निकाला। रायपुर शहर में कई बस्तियों में यह कार्यक्रम प्रात: 7 बजे से तो कई जगह संचलन रात्रि 8 बजे तक चला। इस दौरान स्वयंसेवकों का उत्साह जहाँ चरम पर था तो वहीँ वक्ताओं में गर्व और संयम का संगम देखा जा सकता था।

विवेकानंद नगर माना बस्ती में देर शाम को हुए कार्यक्रम में बतौर मुख्य वक्ता रहे भाजपा संगठन मंत्री पवन साय ने कहा कि संघ कार्य ने शताब्दी वर्ष पूर्ण किया है। 100 वर्ष के कठिन डगर में लाखों करोड़ों स्वयंसेवको का त्याग, तपस्या, बलिदान रहा हैं। उन्होंने कहा कि इसी त्याग से निकले हजारों कार्यकर्ताओं ने मिलकर समाज हित में विद्या भारती, विश्व हिन्दू परिषद, वनवासी कल्याण आश्रम जैसे कई दर्जन संगठन खडा किया। ये सभी संगठन समाज में बदलाव के वाहक हैं। यहाँ मुख्य अतिथि के रूप में शदाणी दरबार पीठाधिश्वर युधिष्ठिर लाल जी मौजूद थें। वही वीरसावरकर नगर के टाटीबंध बस्ती में शासकीय विद्यालय परिसर(नीरज मेडिकल के पीछे) में प्रात: 8:15 हुए कार्यक्रम में मुख्य वक्ता व रायपुर महानगर सह कार्यवाह आकाशदीप गुप्ता ने कहा कि संघ के संस्थापक परम पूज्य डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार ने भारत के शतकों से चले आ रहे गुलामी के इतिहास का अध्ययन करके संघ की स्थापना की। उन्होंने जिस प्रकार व्यक्ति निर्माण से ही पूर्ण स्वतंत्रता का मूल मंत्र दिया वह तमाम प्रतिबंधों के बावजूद भारत के विकास में योगदान दे रहा है। श्री गुप्ता ने बताया कि संघ की शाखा का ही प्रभाव है कि रायपुर के बी टी आई ग्राउंड में चलनेवाली शाखा से पास के सेवा बस्ती के लोगों का उच्च स्तरीय चरित्र निर्माण हुआ। इस कार्यक्रम में सेन्ट्रल जेल रायपुर के शिक्षा प्रभारी नेतराम नागतोड़े बतौर मुख्य अतिथि मौजूद थें।

रायपुर महानगर के 14 नगर के कुल 37 बस्तियों में विजयादशमी उत्सव मनाया गया तथा संचलन किया गया। इन बस्तियों में से प्रोफ़ेसर कॉलोनी में रायपुर विभाग संघचालक धीरेन्द्र नसीने मुख्य वक्ता रहें। इनमें मुख्य रूप से ब्राह्मण पारा में हेमंत सैनी, उदया बस्ती में वासु भाई पटेल, छत्तीसगढ़ नगर में लव कुश तिवारी, संजय नगर में महेंद्र पटेल, संतोषीनगर में महानगर प्रचारक मनोज कश्यप, गणेश रामनगर बस्ती में गणेश हरपाल, नयापारा में भगवती प्रसाद शर्मा, कालीबाड़ी में राजेश भार्गव, अमलीडीह अमेय अगस्ती, हीरापुर भारत भूषण वर्मा, रविनगर में बसंत रथ जी, लाभांडी में हनुमंत लाल, रविकाम में राजकुमार चंद्राकर, रोहिणी पुरम में रविन्द्र जैन, ख़मतराई में हरिओम शर्मा, कलिंगनगर में बिरेन्द्र साहू, विकास नगर में अमूल गोरे, अशोकनगर में नागेश्वर सोनी, शंकर नगर में श्री नकुल, कचना में करुणानिधि यादव, कटोरा तालाब में विट्ठल बिहोने, महावीर नगर में चंद्रकांत चंद्रवंशी, कोटा बस्ती में ज्ञान प्रकाश द्विवेदी, इन्द्रप्रस्थ बस्ती में मनीष शर्मा, रामचौरा बस्ती में त्रिभुवन नारायण सिंह ने मुख्य वक्ता के रूप में उद्बोधन दिया। संपूर्ण कार्यक्रम में वक्ताओं ने संघ की शताब्दी वर्ष की यात्रा में किये गए संघ कार्य को समाज और राष्ट्र निर्माण की दिशा में मील का पत्थर बताते हुए पंच परिवर्तन को अपनाने का संकल्प लेने का आग्रह किया। संघ के सौ वर्षों की यात्रा को चार चरण से सीख लेने की अपील की गई। इसमें उनलोगों ने इन 4 चरणों पहला चरण – 1925 से 1948 का उपहास और तिरस्कार का , दूसरा– 1948 से 1972 का दमन और अत्याचार का था, तीसरा–1971–2011 संघर्ष व आंदोलन का था. वहीँ चौथा, 2011 से अब तक को विजय ही विजय का नाम दिया. वक्ताओं ने यह भी बताया कि संघ अपने विविध कार्यक्रमों वृहद् गृह संपर्क अभियान, सामाजिक सद्भाव बैठक, युवाओं के कार्यक्रम, प्रमुखजन गोष्ठी के माध्यम से सम्पूर्ण हिन्दू समाज को संगठित करने का कार्य करेगा।

आगामी 15 अक्टूबर तक बस्तीश: विजयादशमी का कार्यक्रम होता रहेगा. रायपुर महानगर के कुल 14 नगर के 131 बस्ती में बी तक कुल 69 पथ संचलन का कार्यक्रम हो चुका है। पूरे रायपुर महानगर में कुल 2614 गणवेशधारी स्वयंसेवक शामिल हुए तथा समाज से 1095 गणमान्य लोग उपस्थित हुए। सभी स्थानों पर बड़ी संख्या में मातृशक्ति उपस्थित रही।

खास खबर...

भव्य गीता ज्ञान अमृत कथा वाचन शुरू

रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर स्थित सरस्वती शिक्षा मंदिर, छत्तीसगढ़ नगर में कल 5 अक्टूबर से 8 अक्टूबर तक प्रतिदिन दोपहर 3 से 5 बजे तक भव्य गीता ज्ञान अमृत वर्षा कथा का आयोजन किया गया है। इस धार्मिक उत्सव में माँ कामाख्या के उपासक परम पूज्य गुरुदेव श्री संकर्षण शरण (गुरुजी), प्रयागराज वाले अपने श्रीमुख से गीता ज्ञान की अमृतमयी कथा का वाचन करेंगे। श्रद्धालुओं में कार्यक्रम को लेकर गहरी आस्था और उत्साह देखने को मिल रहा है। कार्यक्रम के अंतिम दिन 8 अक्टूबर को दोपहर 3 से 5 बजे हवन का आयोजन रखा गया है. छत्तीसगढ़ नगर में आयोजित गीता ज्ञान अमृत वर्षा कथा का शुभारंभ यजमान श्रीमती इंद्राणी शरद दुबे एवं परिवार द्वारा व्यास पूजन और गुरु पूजन के साथ किया जावेगा। जानकारी आयोजक मंडल की मिडिया प्रभारी श्रीमती कल्पना शुक्ला द्वारा प्रदान की गई।

धर्मांतरण और नक्सलवाद जैसी बड़ी चुनौतियों से मुक्त हो रहा छत्तीसगढ़ : धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री

रायपुर। राजधानी रायपुर के अवधपुरी मैदान में आयोजित पं। धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के हनुमंत कथा का तीसरा दिन है। छत्तीसगढ़ में लगातार बारिश होने के बाद भी श्रद्धालु दूर-दूर से कथा सुनने पहुंच रहे हैं और कथा का आनंद ले रहे हैं। रविवार को कथा के दौरान बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पं धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने कहा था कि छत्तीसगढ़ अब धर्मांतरण और नक्सलवाद जैसी दो बड़ी चुनौतियों से मुक्त होने की दिशा में आगे बढ़ रहा है, जो प्रदेश के लिए गर्व की बात है।

उन्होंने कहा कि वे किसी राजनीतिक दल से नहीं, बल्कि हिंदू, हिंदुत्व और हिंदुस्तान के समर्थक हैं। उनका उद्देश्य समाज में हिंदू एकता और जागरूकता लाना है। शास्त्री ने कहा कि हिंदुओं को गुलाम मानसिकता से बाहर आने की जरूरत है, इसलिए वे पूरे देश में जनजागरण अभियान चला रहे हैं। पं। शास्त्री ने कहा कि अगर शासन से अनुमति मिली तो वे जशपुर में धर्मांतरण विरोधी पदयात्रा करेंगे और वहीं श्रीहनुमंत कथा का आयोजन भी होगा।

उन्होंने कहा कि विदेशी और नास्तिक ताकतें हिंदुओं को कमजोर करने की साजिशें रच रही हैं। देश को हिंदू राष्ट्र बनाने के उद्देश्य से वे 7 से 16 नवंबर तक नई दिल्ली से वृंदावन धाम तक पदयात्रा करने वाले हैं। इसके बाद वे पुन: छत्तीसगढ़ आएंगे। उन्होंने कहा, यह भगवान राम और माता कौशल्या की धरती है, यहीं से हिंदू राष्ट्र की भावना साकार होगी। गोरक्षा पर पूछे गए सवाल पर पं। शास्त्री ने कहा कि राज्य सरकार यदि तहसील स्तर पर गोधाम स्थापित करे, जहां 5-5 हजार गोमाताओं को रखा जा सके, तो सड़क हादसे कम होंगे और गायें सुरक्षित रहेंगी।

अग्र समाज जब संगठित होता है, तो राष्ट्र निर्माण को नई ऊर्जा मिलती है: बृजमोहन अग्रवाल

रायपुर। अग्र समाज जब संगठित होता है, तो राष्ट्र निर्माण की दिशा में नई ऊर्जा और सशक्त विचारधारा का प्रवाह होता है। समाज के संस्कार, संस्कृति और सेवा भावना ही भारत के उत्थान की आधारशिला हैं। यह कहना है रायपुर सांसद एवं वरिष्ठ भाजपा नेता बृजमोहन अग्रवाल जो रविवार को पंचकुला (हरियाणा) में आयोजित अग्रमठ सृजन विकास उत्सव में शामिल हुए उन्होंने आयोजन को समाज की एकता, संगठन और संस्कृति के इस भव्य उत्सव को नई दिशा देने वाला बताया। श्री अग्रवाल ने आयोजन समिति को साधुवाद देते हुए कहा कि यह उत्सव न केवल अग्र समाज का महोत्सव है, बल्कि यह भारतीय संस्कृति, स्वावलंबन और सामाजिक समरसता की अमर परंपरा का उत्सव है।

विधायक मोतीलाल साहू ने जोन-9 के 5 वार्डों में 1.39 करोड़ रुपये की विकास कार्य का किया उद्घाटन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर ग्रामीण विधायक मोतीलाल साहू ने रायपुर ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत रायपुर नगर पालिक निगम के जोन क्रमांक 9 के अंतर्गत आने वाले कुशाभाऊ ठाकरे वार्ड क्रमांक 7 क्षेत्र में पहुंचकर वार्ड 7 क्षेत्र में 3 नए विकास कार्यों, महात्मा गाँधी वार्ड क्रमांक 8 में दो नए विकास कार्यों, रानी लक्ष्मी बाई वार्ड क्रमांक 10 में दो नए विकास कार्यों, महर्षि वाल्मीकि वार्ड क्रमांक 32 में एक नए विकास कार्य, शहीद पण्डित विद्याचरण शुक्ल वार्ड क्रमांक 51 में 5 नए विकास कार्यों का कुल एक करोड़ 39 लाख 32 हजार रुपये की स्वीकृत लागत से नवीन आंगनबाड़ी भवनों सहित विभिन्न नए 12 विविध विकास कार्यों का भूमिपूजन श्रीफल फोड़कर और कुदाल चलाकर कुशभाउ ठाकरे क्रमांक 7 के दलदल सिवनी में धीमर समाज भवन के समीप नगर पालिक निगम रायपुर के सभापति सूर्यकान्त राठौड़, नगर निगम जोन 9 जोन अध्यक्ष गोपेश साहू, कुशाभाउ ठाकरे वार्ड क्रमांक 7 के पार्षद और एमआईसी सदस्य खेम कुमार सेन, पार्षद मोहन साहू, देवदत्त द्विवेदी, धीमर समाज अध्यक्ष एवं पदाधिकारियों, जोन 9 जोन कमिश्नर संतोष पाण्डेय, कार्यपालन अभियंता अंशुल शर्मा सीनियर, शरद ध्रुव सहित नगर निगम जोन 9 के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों, गणमान्यजनों, नवयुवकों, सामाजिक कार्यकर्त्ताओं, महिलाओं, आमजनों की उपस्थिति में करते हुए शानदार सौगात दी।

रायपुर ग्रामीण विधायक मोतीलाल साहू ने एक करोड़ 39 लाख 32 हजार रूपये के नए विकास कार्यों का एकमुश्त भूमिपूजन की सौगात दी और अधिकारियों को पटेल समाज भवन में 5 लाख रूपये की स्वीकृत लागत से अब स्लेब के स्थान पर छत पर शेड निर्माण करवाने निर्देशित किया. रायपुर ग्रामीण विधायक मोतीलाल साहू ने सभी नए विकास कार्यों को स्थल पर स्वीकृति के अनुसार तत्काल प्रारम्भ करवाकर सतत मॉनिटरिंग करते हुए तय समयसीमा के भीतर गुणवत्तायुक्त तरीके से पूर्ण करवाने के निर्देश जोन 9 जोन कमिश्नर और कार्यपालन अभियंता को दिए है।

डुमरतराई में 20 हजार वर्गफीट सरकारी जमीन से अवैध बाउंड्रीवॉल ढहाया

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर जिला कलेक्टर डॉक्टर गौरव कुमार सिंह के आदेशानुसार और नगर निगम रायपुर के आयुक्त विश्वदीप, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. लाल उमेंद सिंह के निर्देशानुसार रायपुर नगर पालिक निगम क्षेत्र में चलाये जाने वाले टीम प्रहरी अभियान के अंतर्गत रायपुर नगर निगम जोन क्रमांक 10 अंतर्गत वार्ड क्रमांक 53 के क्षेत्र में डुमरतराई में लगभग 20 हजार वर्गफीट शासकीय कोटवारी भूमि पर कब्जा कर की जा रही अवैध प्लाटिंग को निर्मित अवैध बाउंड्रीवाल को जेसीबी मशीन की सहायता से तोड़ने की कार्यवाही रायपुर तहसीलदार राममूर्ति दीवान के मार्गनिर्देशन में जोन 10 जोन कमिश्नर विवेकानंद दुबे, वार्ड क्रमांक 53 के पार्षद मनोज जांगड़े सहित सहायक अभियंता योगेश यदु, समयपाल जितेन्द्र कौशिक की उपस्थिति में करते हुए शासकीय कोटवारी भूमि पर अवैध प्लाटिंग पर तत्काल कारगर रोक लगायी गई ।

दशहरा पर्व पर टूरा फाउंडेशन ने किया रावण व ताड़का का पुलता दहन

भिलाई । टूरा फाउंडेशन के सदस्यों द्वारा भिलाई में दशहरा पर्व पर रावण व ताड़का दहन कर वर्तमान समाज में व्याप्त दानवी प्रवृत्ति पर अपनी दृष्टिकोण बदलने का संदेश दिया गया। छत्तीसगढ़ में पुरुष अधिकारों के लिए एक दशक से सक्रिय एवं कार्यरत राष्ट्रीय स्तर पर मान्य संस्था टूरा फाउंडेशन के सदस्यों द्वारा दशहरा पर्व पर 4 अक्टूबर 2025 को पंथी चौक के पास गार्डन, सेक्टर 10, भिलाई में शाम 5:30 को रावण व ताड़का के पुतलों का दहन किया गया।

परंपरागत तरीके से रावण पुतला दहन के साथ ही ताड़का पुतला दहन कर टूरा फाउंडेशन ने संदेश दिया है कि पुरुषों एवं स्त्रियों दोनों के द्वारा अपने अंदर की बुराइयों का दहन कर ही वर्तमान समाज में व्याप्त पारिवारिक विघटन को समाप्त कर खुशहाल समाज का निर्माण किया जा सकता है। फाउंडेशन ने साथ में ही समाज एवं व्यवस्था को अपनी लैंगिक पूर्वाग्रह दृष्टिकोण को छोड़कर बिना किसी भेदभाव के मनुष्यिक दानवी प्रवृति का विरोध करने की अपील की है। इस दहन अवसर पर टूरा फाउंडेशन के अध्यक्ष प्रवीण कलमेघ, सचिव अर्घो बिस्वास, कोषाध्यक्ष सौरभ बैनर्जी, सदस्यगण दिनेश कुमार साहू, वेदराम कौशिक, कमल, अरुण सोनी, अभिषेक यादव व अन्य शामिल हुए।

रायपुर नगर निगम में भूजल संरक्षण पर प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। भारत सरकार के शहरी और आवासन कार्य मंत्रालय के अंतर्गत नेशनल इंस्टिट्यूट फार अर्बन अफेयर्स द्वारा नाबार्ड कंसल्टेंसी सर्विसेस को रायपुर शहर में भूगर्भ जल के स्तर के संरक्षण एवं संवर्धन हेतु कलस्टर पार्टनर नियुक्त किया है। नाबार्ड कंसल्टेंसी सर्विसेस के राणा चटर्जी ने गंगदास सैनी सहित आज रायपुर शहर में भूगर्भ जल के स्तर के संरक्षण एवं संवर्धन स्रू 2 ।0 के क्रियान्वयन कार्य प्रारम्भ करने तकनीकी प्रशिक्षण रायपुर नगर पालिक निगम के अभियंताओं को दिया।

अभियंताओं की तकनीकी प्रशिक्षण कार्यशाला में रायपुर नगर पालिक निगम की महापौर मीनल चौबे और जल कार्य विभाग के अध्यक्ष संतोष सीमा साहू पहुँचे। इसमें शहर के जियो हाईड्रोलॉजिस्ट विपिन दुबे, डॉ। के। एल। पाणीग्रही सम्मिलित हुए। नगर निगम के मुख्य अभियंता यू। के धलेन्द्र सहित केन्द्रीय भूजल बोर्ड, छत्तीसगढ़ राज्य जल संसाधन विभाग,

नगर निवेश विभाग, जल कार्य विभाग,लोक कर्म विभाग, पर्यावरण एवं उद्यानिकी विभाग के कार्यपालन अभियंताओं, सहायक अभियंताओं, उप अभियंताओं, जोनों के अभियंताओं की उपस्थिति तकनीकी प्रशिक्षण कार्यशाला में रही। महापौर मीनल चौबे ने कहा कि रायपुर शहर में तेजी के साथ भूगर्भ जल का स्तर नीचे गिरता जा रहा है, ऐसे में इसका संरक्षण और संवर्धन कार्य वैज्ञानिक तरीके से किया जाना अत्यंत आवश्यक है।

महापौर ने नगर निगम अभियंताओं को शहर में यह कार्य प्राथमिकता से करने कहा। जल कार्य विभाग अध्यक्ष संतोष सीमा साहू ने भू गर्भ जल के स्तर के संरक्षण और संवर्धन का कार्य तकनीकी दक्षता सहित पूरी गंभीरता के साथ करने कहा। शैलो एक्विफर मैनेजमेंट SAM 2.0 के नोडल अधिकारी नगर निगम सहायक अभियंता योगेश कडु ने शैलो एक्विफर मैनेजमेंट SAM 2.0 कार्यक्रम और उद्देश्य की संक्षिप्त जानकारी दी। नाबार्ड कंसल्टेंसी सर्विसेस के राणा चटर्जी और गंगदास सैनी ने कार्यक्रम में शैलो एक्विफर मैनेजमेंट SAM 2.0 के उद्देश्य पर प्रकाश डाला और अभियंताओं को तकनीकी पहलुओं की जानकारी देते हुए पॉवर पॉइंट प्रजेंटेशन दिया।

GST NO. 22AHMPB9621P1Z2
PH.: 0788-4060131

अनुप ट्रेडर्स
आर्टिफिशियल ज्वेलरी के विक्रेता
लिंक रोड, केम्प–2, पावर हाउस, भिलाई
मो. 09826389666, 8839749539

लंबे वक्त बाद साथ नजर आए दीपिका-रणबीर, फैंस ने दिए ऐसे रिएक्शंस

रणबीर कपूर और दीपिका पादुकोण बॉलीवुड की पसंदीदा जोड़ियों में से एक हैं। दोनों जब भी स्क्रीन पर एक साथ आए हैं, दर्शकों को ये जोड़ी पसंद आई है और फिल्म भी हिट बनी है। अब ये दोनों सितारे फिर से एक साथ नजर आए हैं। जिसके बाद अब फैंस ये उम्मीद लगा रहे हैं कि ये जोड़ी फिर से किसी फिल्म में साथ नजर आने वाली है।

दरअसल, रणबीर कपूर और दीपिका पादुकोण को एक साथ एयरपोर्ट पर देखा गया है। वायरल वीडियो में दिख रहा है कि रणबीर एयरपोर्ट पर पहुंचते हैं। जैसे ही वो सिक्योरिटी चेक के लिए रुकते हैं, वैसे ही उन्हें एयरपोर्ट के अंदर गोल्फ कार्ट पर दीपिका दिखती हैं। जिसके बाद पहले रणबीर दीपिका को हाय कहते हैं, फिर दीपिका अपनी गाड़ी रोक देती हैं। जिसके बाद रणबीर भी दीपिका के ही साथ बैठ जाते हैं। इस दौरान रणबीर ब्लैक कलर की हुडी और कार्गो जींस के साथ कैप लगाए नजर आ रहे हैं।

कैजुअल लुक में पहुंचीं दीपिका

इसके अलावा भी एक वीडियो वायरल है, जिसमें दीपिका पादुकोण एयरपोर्ट पर पहुंच रही हैं। दीपिका गाड़ी से उतरते दिख रही हैं। इस दौरान दीपिका ग्रे कलर के कॉटसेट में नजर आ रही हैं। बंधे बालों में चोटी के साथ दीपिका ब्लैक चश्मे में काफी खूबसूरत नजर आ रही हैं।

गले मिले दीपिका-रणबीर

रणबीर-दीपिका के कई और वीडियो भी सामने आए हैं। एक वीडियो में रणबीर-दीपिका एक-दूसरे से गले मिल रहे हैं। फिर दोनों अलग-अलग गाड़ियों में चले जाते हैं। ये वीडियो संभवत: एयरपोर्ट से बाहर आने का है। जहां दोनों एक साथ बाहर आते हैं, फिर अलग-अलग जाने से पहले एक-दूसरे के गले मिलते हैं।

फैंस बोले- एक साथ करेंगे फिल्म

अब दीपिका और रणबीर के साथ नजर आने पर फैंस काफी खुश हैं और दोनों को बड़े पर्दे पर साथ में देखने का इंतजार कर रहे हैं। यही कारण है कि जब दोनों सेलेब्स साथ में नजर आए तो कमेंट सेक्शन में लोगों की अलग-अलग प्रतिक्रियाएं सामने आने लगीं। कई फैंस ये कयास भी लगाने लगे कि दोनों फिर से एक साथ नजर आने वाले हैं। एक कमेंट ने कहा कि लगता है 'ये जवानी है दीवानी 2' बन रही है। जबकि कई और फैंस ने ये भी ये कयास लगाए हैं और उम्मीद जताई है कि दीपिका और रणबीर किसी फिल्म में एक साथ आने वाले हैं।

अंशुला कपूर ने सगाई में मां को रखा पास, भाई ने किया तिलक, पापा ने दिया आशीर्वाद, दिखाई ससुराल वालों की झलक

बॉलीवुड के मशहूर कपूर परिवार में जल्द शहनाइयां बजने वाली हैं। अर्जुन कपूर की बहन अंशुला कपूर ने अपने लॉन्ग-टाइम बॉयफ्रेंड रोहन ठक्कर के साथ 2 अक्टूबर को इंटीमेट इंगेजमेंट कर ली हैं। अब अंशुला ने अपनी सगाई की कुछ इनसाइड तस्वीरें शेयर की हैं, जो वायरल हो रही हैं।

अंशुला कपूर-रोहन ठक्कर की सगाई गुजराती रिवाज 'गोर धाना' से हुई। बोनी कपूर के बांद्रा स्थित आलीशान बंगले में इस खास दिन को सेलिब्रेट किया गया, जहां पूरा कपूर खानदान जुटा। सगाई के दो दिन बाद अंशुला ने इंस्टाग्राम पर ऑफिशियल फोटोज शेयर कर फैंस को इस प्यारी मोमेंट की झलक दी, जो इमोशनल और जोयफुल दोनों है।

तस्वीरों में अंशुला अपने भाई अर्जुन कपूर, बहनों जाह्नवी कपूर, खुशी कपूर और पिता बोनी कपूर के साथ नजर आ रही हैं। साथ ही, फैमिली फोटो में सोनम कपूर, रिया कपूर, शनाया कपूर, शिखर पहाड़िया और करण बुलानी भी शामिल दिखे। सबसे इमोशनल मोमेंट तो अंशुला की मां मोना शौरी कपूर को ट्रिब्यूट था। अंशुला ने अपनी मां के लिए स्पेशल सीट रिजर्व की और उनकी फोटो फ्रेम में सजाकर रखा। सगाई की खास तस्वीरों के साथ कैप्शन में अंशुला ने लिखा- 2 अक्टूबर 2025 ये सिर्फ हमारा गोर धाना नहीं था। यह प्यार का एहसास था जो हर छोटे-से-छोटे पल में झलक रहा था। रोहन हमेशा कहते हैं-'ऑलवेज एंड फॉरएवर'।

और आज यह सच में महसूस हुआ। उनका प्यार मुझे यकीन दिलाता है कि फेयरीटेल सिर्फ किताबों में नहीं, असली जिंदगी में भी होते हैं। आगे उन्होंने कहा, 'कमरा हंसी, गले लगने, आशीर्वाद और उन लोगों से भरा था जो हमारी दुनिया को पूरा बनाते हैं और फिर, मां का प्यार चुपचाप हमें लपेटे हुए। उनके फूलों में, शब्दों में, सीट में, हर जगह उनकी मौजूदगी महसूस हुई। मैं बस इधर-उधर देख रही थी और सोच रही थी। यही तो फॉरएवर जैसा लगना चाहिए। रब रखा। एक तस्वीर में बोनी कपूर अपनी बेटी और दामाद बनने जा रहे रोहन को आशीर्वाद देते नजर आए।

अंशुला ने अपने नए परिवार के साथ भी फोटो क्लिक कराई। सासू मां के साथ लाड़ और पूरे परिवार के साथ उन्होंने तस्वीर शेयर की है। अंशुला और रोहन की लव स्टोरी भी कम रोमांटिक नहीं। दोनों 2022 में एक डेटिंग ऐप पर मिले थे। इस साल जुलाई में रोहन ने न्यूयॉर्क के सेंट्रल पार्क में अंशुला को प्रपोज किया, जहां उन्होंने हां कह दी। बोनी कपूर परिवार के परिवार की ये पहली शादी होगी। सोशल मीडिया पर तस्वीरें खूब वायरल हो रही हैं।

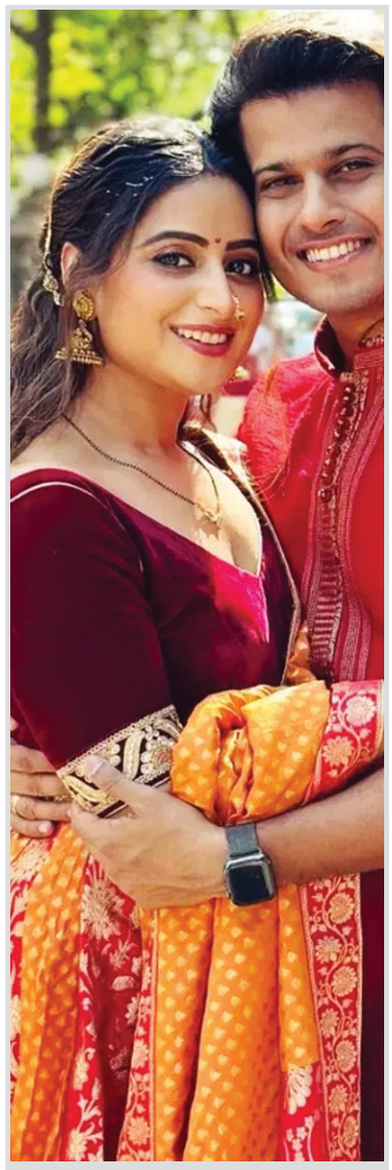

ऐश्वर्या शर्मा ने कन्फर्म किया नील भट्ट संग तलाक? क्रिप्टिक पोस्ट से 'बिग बॉस' कपल पर उठे सवाल

'बिग बॉस' फेम ऐश्वर्या शर्मा और नील भट्ट के तलाक की खबरों को एक बार फिर हवा मिल गई है। शादी में चल रही टेंशन की अफवाहों के बीच एक्ट्रेस का क्रिप्टिक पोस्ट सामने आया है। उसमें जो लिखा है, वो देखकर फैंस भी घबरा गए हैं। अपने पोस्ट में एक्ट्रेस ने क्या कहा है? चलिए देखते हैं।

'बिग बॉस' फेम कपल ऐश्वर्या शर्मा और नील भट्ट को लेकर पिछले काफी समय से अटपटी खबरें सामने आ रही हैं। इन दोनों की शादी पर खतरा मंडरा रहा है। शादी के 4 साल बाद टीवी के इस पॉपुलर कपल का रिश्ता टूटने की कगार पर है। अभी तक कपल ने खुलकर अपने बीच आई दूरी पर कोई बयान नहीं दिया है, लेकिन सोशल मीडिया से फैंस को हिंट मिल ही जाता है। पहले एक्ट्रेस ने भले ही अफवाहों को झूठा बताया हो, लेकिन अब ऐश्वर्या शर्मा का क्रिप्टिक पोस्ट दूसरी तरफ ही इशारा कर रहा है। ऐश्वर्या ने हाल ही में जो इंस्टाग्राम पोस्ट शेयर किया है, उसे देखकर लोग उनकी शादीशुदा जिंदगी में उथल-पुथल के कयास लगा रहे हैं।

दरअसल, ऐश्वर्या शर्मा ने हाल ही में अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक पोस्ट शेयर किया, जिस पर लिखा था- 'लाइफ छोड़ने के बारे में है। अपनी सारी हताशा, निराशा, अपनी कमजोरियों, कमियों, संघर्षों और गलतियों को पीछे छोड़कर, आगे बढ़ना और नई शुरुआत करना।' अब पति नील से बिगड़ते रिश्ते की अफवाहों के बीच एक्ट्रेस के इस पोस्ट ने फैंस को इस बात पर यकीन करने पर मजबूर कर दिया है। फैंस को लग रहा है कि ऐश्वर्या सोशल मीडिया पर अपने रिश्ते को लेकर हिंट दे रही हैं। उनका पोस्ट देखकर लगता है कि एक्ट्रेस अब जिंदगी में आगे बढ़ने की कोशिश कर रही हैं।

रानी मुखर्जी ने बताया कि 10 साल की बेटी आदिरा को क्यों रखा है लोगों की नजरों से दूर, वजह सुनकर हो जाएंगे गदगद

रानी मुखर्जी ने हाल ही में अपनी 10 साल की बेटी आदिरा को पब्लिक की नजरों से दूर रखने के फैसले के बारे में बात की। उन्होंने बताया कि बेटी के लिए वो कैसी पहचान चाहती हैं। इसी के साथ उन्होंने मां बनने और अपने करियर के बीच संतुलन बनाए रखने पर भी बात की।

रानू मुखर्जी ने बेटी को लोगों की नजरों से दूर क्यों

रानी मुखर्जी ने हाल ही में अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर ढेर सारी बातें की हैं। इस बातचीत में उन्होंने अब तक के फिल्मी करियर, हाल ही में मिले नेशनल अवॉर्ड और पर्सनल लाइफ के अलावा बेटी को लेकर बातें की। उन्होंने बताया कि एक्ट्रेस और उनके हसबैंड ने बेटी को पब्लिक की नजरों से दूर रखने का फैसला क्यों किया।

एएनआई से बात करते हुए, रानी ने कहा, 'हमारी बेटी के लिए भी हम दोनों की सोच एक ही है। हम नहीं चाहते थे कि वह कभी ऐसी स्थिति में आए जहां उसे जरूरत से ज्यादा एक्सपोजर मिले, जिससे उसे ऐसा महसूस हो कि उसके साथ कुछ स्पेशल हो रहा है।'

बताया, बेटी को क्यों रखा है लोगों की नजरों से दूर

इस बारे में आगे बातें करते हुए रानी मुखर्जी ने कहा, 'क्योंकि जब वह बड़ी होगी, जब वह अपनी पसंद का करियर चुनेगी तो वह जो भी पहचान अर्जित करेगी, वह अपनी योग्यता यानी मेरिट से ही अर्जित करेगी। उसे यह पहचान इसलिए नहीं मिलती कि उसके माता-पिता फेमस हैं। उसे यह पहचान खुद अर्जित करनी चाहिए, उसे ये यूं ही नहीं मिलनी चाहिए।'

प्राइवेसी के मामले में पापा जैसी हैं आदिरा

उन्होंने यह भी कहा कि आदिरा ने प्राइवेसी के मामले में अपने पिता का फॉलो किया है और उसका नजरिया काफी मजबूत है, जिससे उसे बड़ी होने के साथ-साथ अपने व्यूज एक्सप्रेस करने में मदद मिलेगी।

तब बेटी को ब्रेस्टफीड करा रही थीं रानी मुखर्जी

इसी इंटरव्यू में, नेशनल अवॉर्ड विनर ने मदरहुड और काम के बीच संतुलन बनाने के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा, 'जब मैंने फिल्म हिचकी की थी, तब आदिरा 14 महीने की थी और तब भी मैं मैं उसे ब्रेस्टफीड करा रही थी, इसलिए मुझे सुबह दूध पंप करके जाना पड़ता था और मैं शहर के एक कॉलेज में शूटिंग कर रही थी।'

मिल्क पंप करके 6:30 बजे निकल जाती थीं रानी

उन्होंने आगे बताया, 'जुहू में मेरे घर से वहां तक पहुंचने में और ट्रैफिक में लगभग दो घंटे लगते हैं। इसलिए मैंने प्लान कर लिया था, सुबह मैं अपना दूध निकालने के बाद 6:30 बजे निकल जाती थी और शूटिंग करती थी। मेरा पहला शॉट सुबह 8 बजे होता था और मैं 12:30-1 बजे तक सब कुछ खत्म कर लेती थी।'

10 साल की हो चुकी हैं आदिरा

रानी ने आगे कहा, 'मेरी यूनिट और मेरे डायरेक्टर इतने प्लान करते थे कि उन 6-7 घंटों में मैं अपनी शूटिंग पूरी कर लेती थी। शहर में ट्रैफिक शुरू होने से पहले मैं 3 बजे तक घर पहुंच जाती थी। मैंने अपनी फिल्म ऐसे ही की।' बता दें कि आदिरा का जन्म 9 दिसंबर 2015 को हुआ और अब वो 10 साल की हो गई हैं। इसी इंटरव्यू में रानी ने कहा, 'मेरे हसबैंड काफी प्राइवेट रहने वाले इंसान हैं और मुझे लगता है कि वह चाहते थे कि शादी बहुत प्राइवेट हो। इसलिए मुझे नहीं लगता कि वह कभी चाहेंगे कि शादी की तस्वीरें बाहर आएं।'

त्योहारों पर ग्लोइंग मेकअप करने के लिए अपनाएं ये टिप्स

त्योहारों का मौसम नजदीक है और ऐसे में हर महिला चाहती है कि वह सबसे अलग और खूबसूरत दिखें। सही मेकअप से यह संभव है। मेकअप न केवल चेहरे की खूबसूरती बढ़ाता है, बल्कि आत्मविश्वास भी बढ़ाता है। इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे टिप्स देंगे, जिन्हें अपनाकर आप त्योहारों पर चमकदार दिख सकती हैं। इन सरल और प्रभावी टिप्स की मदद से आपका चेहरा निखरा हुआ और आकर्षक लगेगा।

त्वचा की सफाई करें

मेकअप करने से पहले अपनी त्वचा को अच्छी तरह से साफ करें। इसके लिए हल्का फेसवॉश इस्तेमाल करें, जिससे आपकी त्वचा ताजगी महसूस करेगी। इसके बाद टोनर का उपयोग करें, जो रोमछिद्रों को साफ करता है और त्वचा को तैयार करता है। इससे मेकअप लंबे समय तक टिका रहता है और चेहरा चमकदार दिखता है। त्वचा की सफाई से न केवल गंदगी और तेल हटता है, बल्कि यह त्वचा को आराम भी देता है।

मॉइस्चराइजर लगाएं

फेसवॉश के बाद अपनी त्वचा पर मॉइस्चराइजर लगाना बहुत जरूरी है। यह आपकी त्वचा को नमी प्रदान करता है और मेकअप को चिकना बनाता है। अगर आपकी त्वचा तैलीय प्रकार की है तो जेल बेस्ड मॉइस्चराइजर का उपयोग करें, जबकि सूखी त्वचा वालों के लिए क्रीम बेस्ड मॉइस्चराइजर बेहतर रहेगा। सही प्रकार का मॉइस्चराइजर लगाने से आपकी त्वचा मुलायम और स्वस्थ दिखेगी, जिससे मेकअप भी लंबे समय तक टिका रहेगा।

प्राइमर लगाएं

प्राइमर मेकअप का पहला कदम होता है, जो आपके मेकअप को लंबे समय तक टिकाने में मदद करता है। यह रोमछिद्रों को भरता है और त्वचा को एक समान बनाता है। प्राइमर लगाने से फाउंडेशन आसानी से फैलता है और चेहरे पर एक समान दिखता है। इसके अलावा यह चेहरे की तेलीयता को नियंत्रित करता है और चमकदार लुक देता है। सही प्राइमर का चुनाव आपकी त्वचा के प्रकार पर निर्भर करता है, जैसे कि सूखी, तैलीय या मिश्रित।

फाउंडेशन लगाएं

फाउंडेशन आपके चेहरे की असमानताओं को छुपाने में मदद करता है और एक समान रंग देता है। अपनी त्वचा के रंग के अनुसार फाउंडेशन चुनें और उसे अच्छी तरह से मिलाएं ताकि कोई धारियां न दिखें। इसके लिए उंगलियों, ब्रश या स्पंज का उपयोग कर सकती हैं। फाउंडेशन लगाने से पहले प्राइमर जरूर लगाएं ताकि त्वचा चिकनी दिखे और फाउंडेशन लंबे समय तक टिका रहे। सही फाउंडेशन चुनने से आपका चेहरा निखरा हुआ और आकर्षक लगेगा।

लिपस्टिक और ब्लश लगाएं

लिपस्टिक और ब्लश आपके चेहरे को जीवंत बनाते हैं। हल्का गुलाबी ब्लश आपकी गालों पर ताजगी भरी दिखता है जबकि गहरे रंग की लिपस्टिक आपके होंठों को आकर्षक बनाती है। अगर आप पारंपरिक पोशाक पहन रही हैं तो लाल या मैरून रंग की लिपस्टिक चुन सकती हैं। इससे आपका लुक पूरा होगा और आप त्योहारों में सबसे अलग दिखेंगी। इन सरल और प्रभावी टिप्स की मदद से आपका चेहरा निखरा हुआ और आकर्षक लगेगा।

सामाजिक विकास का मूलमंत्र है शिक्षा, शिक्षा के बिना है जीवन अधूरा : मुख्यमंत्री साय

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। शिक्षा के बिना जीवन अधूरा है। शिक्षा केवल नौकरी प्राप्त करने का साधन नहीं, बल्कि सफल जीवन का मार्ग है। सामाजिक विकास का मूलमंत्र शिक्षा है। चाहे जीवन जीने की कला हो, व्यापार हो, कृषि हो या कोई अन्य क्षेत्र – हर क्षेत्र में सफलता के लिए शिक्षा की महत्वपूर्ण भूमिका है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने राजधानी रायपुर स्थित बलबीर सिंह जुनेजा इनडोर स्टेडियम में आयोजित राष्ट्रीय मछुवारा जागरूकता सम्मेलन को संबोधित करते हुए यह बात कही।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि हमारी सरकार प्रारंभ से ही राज्य में शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर कार्य कर रही है। राज्य गठन के समय जहां केवल एक मेडिकल कॉलेज हुआ करता था, वहीं आज प्रदेश में लगभग 15 मेडिकल कॉलेज हो चुके हैं। इसी तरह हमने राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर के शैक्षणिक संस्थान जैसे आईआईटी, ट्रिपल-आईटी, आईआईएम, लॉ यूनिवर्सिटी, एम्स और सिपेट जैसे संस्थान छत्तीसगढ़ में स्थापित किए हैं, जिनका लाभ राज्य के स्थानीय विद्यार्थियों को मिल रहा है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रदेश के प्रत्येक जिले में नालंदा परिसर के निर्माण का कार्य चल रहा है, जिससे युवाओं को दिशा और अवसर दोनों मिल रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज समाज को संगठित होने की आवश्यकता है, क्योंकि संगठित समाज से ही राष्ट्र मजबूत होता है। उन्होंने कहा कि नशाखोरी समाज के विकास में बाधक है और इस बुराई से दूर रहना आवश्यक है। मुख्यमंत्री ने समाज से नशा मुक्ति का संकल्प लेने की अपील की। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार ने मत्स्य संपदा योजना प्रारंभ की, जो मछुआरों के जीवन स्तर को ऊंचा उठाने में एक क्रांतिकारी कदम सिद्ध हुई है। इसी क्रम में छत्तीसगढ़ सरकार ने हाल ही में गंगरेल बांध ठेका प्रथा को समाप्त कर पुनः डुबान क्षेत्रों के किसानों को मत्स्य पालन की अनुमति प्रदान की है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार मछुआ समाज को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए निरंतर प्रयासरत है। मत्स्य पालन के क्षेत्र में अनेक योजनाएँ प्रारंभ की गई हैं। प्रदेश का पहला एक्वा पार्क हसदेव बांगो जलाशय में लगभग ?37 करोड़ की लागत से निर्मित किया जा रहा है। यह एक्वा पार्क मछली उत्पादन, प्रोसेसिंग, निर्यात और टूरिज्म— इन चारों क्षेत्रों में नए अवसर सृजित करेगा। मुख्यमंत्री ने बताया कि वर्तमान में यहाँ 800 केजों में मत्स्य पालन किया जा रहा है, जिससे अनेक पंचायतों को लाभ मिल रहा है। उन्होंने कहा कि यह हमारे मछुआ भाइयों की आय बढ़ाने और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा कदम है। मुख्यमंत्री श्री साय ने राष्ट्रीय मछुवारा संघ के सभी पदाधिकारियों और देशभर से पधारे मेहनतकश मछुआ भाइयों-बहनों को राष्ट्रीय सम्मेलन के सफल आयोजन के लिए हार्दिक शुभकामनाएँ दीं।

केंद्रीय राज्य मंत्री डॉ. राजभूषण चौधरी निषाद ने कहा कि निषाद समाज का गौरवशाली इतिहास और परंपरा रही है। हमारे इतिहास और परंपरा के बारे में नई पीढ़ी को बताना और सिखाना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सदैव निषाद समाज को अग्रणी स्थान दिया है।

उन्होंने बताया कि जब अयोध्या में प्रभु श्री रामलला के भव्य मंदिर का निर्माण किया गया, तब उसी के सामने सरयू नदी के तट पर निषाद राज मंदिर का निर्माण कर समाज को उचित सम्मान दिलाने का कार्य प्रधानमंत्री मोदी ने किया है। इस हेतु निषाद समाज सदैव उनका ऋणी रहेगा। उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि निषाद समाज अत्यंत मेहनतकश और परिश्रमी समाज है। उन्होंने कहा कि समाज की प्रगति में निषाद समुदाय का योगदान अनुकरणीय है। इस अवसर पर विधायक सुनील सोनी, छत्तीसगढ़ मछुआ कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष भरत मटियारा, सहित प्रदेश और अन्य राज्यों से आए समाज के पदाधिकारी एवं जनप्रतिनिधि बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

मछली पालन आय का उत्तम साधन

समूह की महिलाएं 2 लाख 50 हजार रूपए की आमदनी कर रही अर्जित

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय द्वारा मछली पालन अर्थात जलीय कृषि करने वाले किसानों को बढ़ावा देने के लिए राज्य में मत्स्य पालन को बढ़ावा दे रहे हैं। साथ ही महिलाओं को आर्थिक रूप से समृद्ध और आत्मनिर्भर बनाने हेतु खेती किसानी के साथ-साथ अन्य रोजगार से जोड़ा जा रहा है।

छत्तीसगढ़ शासन द्वारा विभिन्न प्रकार की योजनाओं का संचालन भी किया जा रहा है। मत्स्य विभाग द्वारा शासकीय तालाब को पट्टे पर देकर मछली पालन कार्य हेतु महिलाओं को प्रोत्साहित किया जा रहा है। विभाग द्वारा 50 प्रतिशत अनुदान पर मत्स्य बीच के साथ ही विभागीय योजना अंतर्गत निःशुल्क जाल और आईस बॉक्स भी दिया जा रहा है। इसी कड़ी में जशपुर जिला के मनोरा विकासखण्ड में श्री गणेश महिला स्व सहायता समूह के द्वारा मनोरा के बथानडीपा शासकीय तालाब को पट्टे पर लेकर मछली पालन का कार्य किया जा रहा है।

समूह की अध्यक्ष गुड़िया साहू ने बताया कि गणेश महिला स्व सहायता समूह की 11 महिलाओं द्वारा मनोरा में शासकीय तालाब को पट्टे पर लेकर मछली पान का कार्य किया जा रहा है। तालाब 0.801 हेक्टर में निर्माण किया गया है। उक्त तालाब में मछली पालन के लिए विभागीय योजना के तहत 50 प्रतिशत अनुदान पर मत्स्य बीज उपलब्ध कराया गया है। साथ ही योजना अंतर्गत निःशुल्क जाल एवं आईस बॉक्स भी दिया गया है। मछली पालन से समूह की महिलाओं ने 2 लाख 50 हजार रुपए की आय अर्जित किया है। समूह की सदस्यों ने बताया कि पहले से ही मछली पकड़ाने पालन विभाग द्वारा वे लाभान्वित हो चुके हैं। मछली पालन के व्यवसाय से जुड़ने के बाद उनकी आर्थिक एवं सामाजिक स्थिति मजबूत हुई है।

राज्यपाल ने पीएम जनमन आवास हितग्राही को सौंपी चाबी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राज्यपाल रमेन डेका ने आज बलरामपुर-रामानुजगंज जिले के विकासखंड राजपुर के पहाड़ी कोरवा ग्राम घटगांव में प्रधानमंत्री जनमन आवास योजना के हितग्राही रामकुमार के घर पहुँचकर उन्हें उनके नए आवास की चाबी सौंपी। राज्यपाल ने फीता काटकर नवनिर्मित आवास में गृह प्रवेश कराया।

उन्होंने परिवार के सदस्यों को उनके नए आवास एवं उज्जवल भविष्य के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। राज्यपाल रमेन डेका ने हितग्राही रामकुमार और उनके परिवार से आत्मीयता से बातचीत की। उन्होंने परिवार की आजीविका, बच्चों की पढ़ाई और योजना से हुए बदलावों के बारे में जानकारी ली। इस दौरान रामकुमार ने बताया कि पहले वे कच्चे घर में डर में रहते थे लेकिन अब योजना अंतर्गत मिले आवास से अपने पक्के घर में सुकून से बेफिक्र होकर सो पाएंगे। राज्यपाल रमेन डेका ने पहाड़ी कोरवा परिवार से विदा लेते समय उनको उपहार भेंट किया और आगे बेहतर जीवन के लिए शुभकामनाएं दी।

बस्तर अंचल के गांव-गांव के विकास कार्यों से आ रहा सकारात्मक बदलावः वनमंत्री केदार कश्यप

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। वन मंत्री केदार कश्यप ने कहा है कि हमारी सरकार बस्तर अंचल के गांव-गांव के विकास के जरिए लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने की दिशा में कार्य कर रही है। वे आज आज बस्तर जिले के सालेमेटा में 38.64 लाख रुपये की लागत वाले विकास कार्यों का भूमिपूजन और लोकार्पण कार्यक्रम को सम्बोधित कर रहे थे।

वन मंत्री कश्यप ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में सरकार शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षा पर विशेष ध्यान दे रही है। बस्तर तेजी से विकास की राह पर है और यह गति आगे भी जारी रहेगी। उन्होंने ग्रामीणों से अपील की कि विकास कार्यों की गुणवत्ता पर नजर रखें और सुनिश्चित करें कि सभी काम ईमानदारी से पूरे हों। वनमंत्री श्री कश्यप ने खण्डसरा और खड़का में 11.74 लाख की लागत से सोलर हाई मास्ट लाइट का लोकार्पण किया। उन्होंने सालेमेटा-1 ग्राम पंचायत में 14 लाख रुपये की लागत से पुलिया निर्माण, हायर सेकेंडरी स्कूल में 200 मीटर आहाता निर्माण तथा कोटगढ़ में 12 लाख 90 हजार रुपये की लागत से पुलिया और आंगनबाड़ी केंद्र तक 300 मीटर सीसी रोड़ निर्माण कार्य का भी भूमिपूजन किया।

25वीं राज्य शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता का रायगढ़ में हुआ रंगारंग शुभारंभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायगढ़ स्टेडियम में खेल भावना, अनुशासन और एकता के संदेश के साथ 25वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता का भव्य शुभारंभ हुआ। मुख्य अतिथि राज्यसभा सांसद देवेंद्र प्रताप सिंह ने दीप प्रज्वलन एवं मां सरस्वती की आराधना कर प्रतियोगिता का विधिवत शुभारंभ किया।

इस राज्य स्तरीय आयोजन में रायपुर, बिलासपुर, दुर्ग, बस्तर और सरगुजा संभाग से चयनित 632 खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। प्रतियोगिताओं में वॉलीबॉल, सॉफ्टबॉल, खो-खो और क्रिकेट शामिल हैं। कार्यक्रम का आयोजन जिला प्रशासन रायगढ़ एवं स्कूल शिक्षा विभाग के संयुक्त तत्वावधान में किया जा रहा है। सांसद सिंह ने कहा कि खेल केवल जीतने के लिए नहीं, बल्कि जीवन में संतुलन और प्रेरणा पाने का माध्यम हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत 2047 के लक्ष्य का उल्लेख करते हुए कहा कि स्वस्थ और सक्रिय युवा ही सशक्त भारत का निर्माण कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि सांसद खेल महोत्सव के माध्यम से प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को राष्ट्रीय स्तर तक पहुँचाने का अवसर दिया जाएगा। नगर निगम महापौर श्री जीवर्धन चौहान ने कहा कि खेल अनुशासन, आत्मविश्वास और एकता का प्रतीक हैं। उन्होंने सभी खिलाड़ियों से निष्ठा और खेल भावना के साथ प्रतियोगिता में हिस्सा लेने का आग्रह किया। जिला शिक्षा अधिकारी डॉ. के.वी. राव ने बताया कि प्रतियोगिता के सफल संचालन हेतु सभी विभागों का सहयोग प्राप्त हो रहा है। उद्घाटन समारोह में आकर्षक मार्चपास्ट और लोकनृत्य की प्रस्तुतियाँ हुईं।

पहले दिन के मुकाबलों में सॉफ्टबॉल बालक वर्ग में रायपुर, दुर्ग और बिलासपुर विजेता रहे। क्रिकेट बालिका वर्ग में रायपुर ने दुर्ग को 117 रनों से, जबकि सरगुजा ने बस्तर को 82 रनों से हराया। वॉलीबॉल वर्ग में बिलासपुर और बस्तर की टीमों ने जीत दर्ज की। यह प्रतियोगिता 8 अक्टूबर तक चलेगी, जिसके लिए खिलाड़ियों के ठहरने, भोजन और परिवहन की समुचित व्यवस्था की गई है।

बस्तर दशहरा : 'कुटुंब जात्रा' रस्म के साथ हुई देवी-देवताओं का ससम्मान विदाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। अपनी अनूठी परंपराओं और रस्मों के लिए विश्व प्रसिद्ध बस्तर दशहरा पर्व की एक और महत्वपूर्ण रस्म, 'कुटुंब जात्रा', रविवार को स्थानीय महात्मा गांधी स्कूल परिसर के गुड़ी में संपन्न हुई। इस रस्म के तहत पूरे बस्तर संभाग एवं पड़ोसी राज्य ओडिशा व महाराष्ट्र के समीपवर्ती गांव से पर्व में शामिल हुए हजारों देवी-देवताओं के छत्र और डोली को बस्तर राजपरिवार के सदस्य कमलचंद भंजदेव ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर ससम्मान विदा किया। यह रस्म 75 दिनों तक चलने वाले बस्तर दशहरा पर्व की समाप्ति की ओर इशारा करती है।

600 साल से अधिक पुरानी परंपरा

बस्तर दशहरा की सबसे खास बात यह है कि केवल इसी पर्व में इतनी बड़ी संख्या में एक-एक गांव के देवी-देवताओं के छत्र और डोली शामिल होते हैं। रियासत काल से चली आ रही यह परंपरा आज भी कायम है, जिसमें राजा-महाराजाओं की तरह

राजपरिवार के सदस्य और दशहरा समिति गांव-गांव से आए देवी-देवताओं और उनके पुजारियों को ससम्मान विदा करते हैं।

'रूसूम' देकर दी गई विदाई

परंपरानुसार, दशहरा पर्व में शामिल होने आए संभाग के सभी ग्राम के देवी-देवताओं को श्रूसूमश् (दक्षिणा/भेंट) भी दी गई। राजपरिवार के सदस्य कमलचंद भंजदेव और दशहरा समिति ने देवी-देवताओं के छत्र और डोली लेकर पहुंचे पुजारियों को कपड़े, पैसे और मिठाइयां देकर उनकी ससम्मान विदाई की।

शहर के गंगामुण्डा वार्ड में स्थित देवगुड़ी में श्रद्धालुओं ने अपनी मनोकामना अनुसार देवी देवताओं को भेंट भी अर्पित किया। बस्तर राजपरिवार और दशहरा समिति की अगुवाई में संपन्न हुई इस कुंटुब जात्रा रस्म के साथ ही, 600 साल से अधिक पुरानी बस्तर दशहरा पर्व की परंपराएं विधि विधान से पूरी की गईं। इस दौरान पूरे परिसर में उपस्थित देवी-देवता का आपस में मेल मिलाप देखते ही बन रहा था। देवी देवताओं के लाठ, डोली के साथ झुमते सिरहा और विभिन्न क्षेत्रों के आंगादेव का खेल माहौल को आकर्षक एवं अचम्भित किया। इस अवसर पर स्थानीय एवं आस-पास के गांव से पहुंचे श्रद्धालुओं ने भी देवी-देवताओं का अपने परंपरा के अनुसार पूजा-अर्चना कर उनका आशीर्वाद लिया।

राष्ट्रीय डाक सप्ताह 10 अक्टूबर तक

रायपुर। भारतीय डाक विभाग प्रतिवर्ष राष्ट्रीय डाक सप्ताह मनाता है, जिसकी शुरुआत 1874 में यूनिवर्सल पोस्टल यूनियन की स्थापना की वर्षगांठ पर विश्व डाक दिवस (09 अक्टूबर) से होती है। विश्व डाक दिवस का उद्देश्य नागरिकों और संस्थानों में डाक की भूमिका के साथ-साथ वैश्विक, सामाजिक और आर्थिक विकास में डाक की भूमिका के बारे में जागरूकता पैदा करना है। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ डाक परिमंडल के सभी संभागीय कार्यालयों में प्रतिदिन विषयवार कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

खास खबर

लापता युवक का नहर में मिला शव मिला

दुर्ग। नंदिनी थाना क्षेत्र से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है जहां तांदुला नहर में युवक का शव मिला है। मृतक की पहचान मान सिंह कुर्रे के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि युवक नहर में गिरकर डूब गया और इसी वजह से उसकी मौत हुई है। मान सिंह कुर्रे शनिवार से लापता था जिसके बाद उसके परिवार वाले और स्थानीय लोग उसकी तलाश कर रहे थे। सूचना मिलते ही पुलिस और स्थानीय लोगों ने नहर की खोजबीन शुरू की। देर शाम नहर में युवक का शव तैरता हुआ मिला जिसे पुलिस ने बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। नंदिनी थाना पुलिस ने घटना स्थल पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में ये बात सामने आई है कि युवक कहीं से नहर में गिर गया और डूबने से उसकी मौत हुई। हालांकि पुलिस हर पहलू से मामले की जांच कर रही है ताकि किसी भी तरह की चूक या संदिग्ध गतिविधि सामने आ सके। शव को देखने के बाद परिजन भी पुलिस के साथ हैं और उन्होंने किसी भी अप्रिय घटना से इनकार किया है।

डॉक्टर हुआ ठगी का शिकार

भिलाई। दुर्ग, भिलाई, रायपुर और कोरबा के कई डाक्टरों के लिए बिटक्वाइन निवेश अब दु:स्वप्न बन गया है। पिछले कुछ महीनों में ये डॉक्टर बड़े फास्ट दिखते हुए इस डिजिटल करेंसी में करोड़ों रुपये लगाने में जुट गए थे। शुरुआत में यह सभी अपने निवेश को एक आसान और तेज कमाई का माध्यम मान रहे थे, लेकिन अब स्थिति पूरी तरह उलट गई है। डाक्टरों का कहना है कि उनकी शुरुआत फास्ट मनी की लालसा से हुई। एक के बाद एक, उन्होंने अपने परिचितों और सहयोगियों को इस निवेश में शामिल किया। लेकिन, उनकी लालच इतनी बढ़ गई कि उन्होंने ठगों द्वारा बनाए गए जाल में फंसने का अंदाजा भी नहीं लगाया। शुरुआत में निवेश सुरक्षित प्रतीत हुआ, लेकिन वास्तविकता यह थी कि लेनदेन किसी भी मान्यता प्राप्त प्लेटफार्म या सुरक्षित माध्यम पर नहीं हो रहा था। आज, जब निवेश फर्जी साबित हो गया और संबंधित ऐप बंद हो गया, तो डॉक्टर सिर्फ अपने पैसे नहीं खो रहे हैं, बल्कि अपनी इज्जत बचाने की जद्दोजहद में उलझे हुए हैं। डॉक्टरों का कहना है कि अब उनके लिए सबसे बड़ा सवाल यह है कि कैसे अपने परिचितों और परिवार के सामने यह स्थिति समझाएं।

युवक का अपहरण, 10 लाख की फिरौती मांग

बिलासपुर। जशपुर के रहने वाले युवक का शहर से अपहरण कर फिौती मांगी जा रही है। युवक बिलासपुर में किराए के मकान में रह रहा था। वह गांव जाने के लिए निकला और रहस्यमय ढंग से लापता हो गया है। युवक ने खुद अपने पिता को अपहरण और 10 लाख रुपए फिरौती की मांग की जानकारी दी है। युवक ने पैसा अपने ही बैंक अकाउंट में जमा करने कहा है। मामले में सीएम हाउस से फोन आने के बाद हरकत में आई पुलिस लापता की युवक की तलाश कर रही है। जानकारी के मुताबिक जशपुर जिले के देहराखार नायणपुर निवासी संजय कुमार यादव पिछले 10 साल से बिलासपुर के कस्तूरबा नगर में किराए के मकान में रह रहा था, उसने एमएससी तक पढ़ाई की है। उसने अपने घरवालों को कोचिंग सेंटर में पढ़ाने और बैंक में काम करना बताया था। बीते 1 अक्टूबर को उसने अपने पिता को फोन कर बताया वह घर आ रहा है। देर रात तक वह घर नहीं पहुंचा तो दूसरे दिन पिता बालेश्वर यादव ने उसे फोन लगाया, उन्हें फोन लगातार बंद मिला।

पुलिस ने किया खुलासा: रायपुर में 86 किलो चांदी की लूट की कहानी निकला फर्जी, व्यापारी ही निकला मास्टरमाइंड

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी रायपुर में 86 किलो चांदी की कथित लूट का मामला पूरी तरह फर्जी निकला। थाना कोतवाली क्षेत्र के सदर बाजार में जैन मंदिर के पीछे रहने वाले व्यापारी राहुल गोयल ने खुद ही यह कहानी रची थी। पुलिस जांच में खुलासा हुआ कि उसने सट्टे में भारी रकम गंवा दी थी और व्यापार में नुकसान झेलने के बाद अपने ऊपर चढ़े कर्ज को चुकाने के लिए यह नाटक तैयार किया। पुलिस ने जब तकनीकी जांच और रिक्रिएशन ऑफ सीन के जरिए तथ्यों को जोड़ा तो पूरा मामला उजागर हो गया।

पुलिस के अनुसार, 4 अक्टूबर को राहुल गोयल ने थाना कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 3-4 अक्टूबर की दरम्यानी रात करीब 3 बजे दो नकाबपोश व्यक्ति उसके घर में घुस आए। उन्होंने दरवाजा खटखटाया और जब राहुल ने दरवाजा खोला तो उसे पकड़कर कुछ सुंघाया, फिर उसके हाथ-पैर रस्सी से बांध दिए और करीब 86 किलोग्राम चांदी लूटकर फरार हो गए। राहुल के मुताबिक, वह करीब सात घंटे तक बंधा रहा और सुबह बड़ी मुश्किल से खुद को छुड़ाकर पड़ोसियों व पुलिस को सूचना दी। मामले की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ अधिकारियों ने तत्काल एक विशेष जांच टीम गठित की।

टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले। लेकिन हैरानी की बात यह रही कि राहुल द्वारा बताए गए नकाबपोश व्यक्ति कहीं भी आते-जाते नजर नहीं आए। इस पर पुलिस ने राहुल से दोबारा पूछताछ की तो उसने अपने बयान बार-बार बदले और जांच को गुमराह करने की कोशिश की। डॉक्टरों से किए गए मेडिकल परीक्षण में यह सामने आया कि उसके हाथों में रस्सी के निशान कृत्रिम रूप से बनाए गए थे और चोटें मामूली थीं। इन सब साक्ष्यों के आधार पर जब पुलिस ने राहुल से सख्ती से पूछताछ की तो वह टूट गया और झूठ का पर्दाफाश हो गया।

पूछताछ में राहुल ने स्वीकार किया कि उसने यह पूरी कहानी खुद गढ़ी थी। उसने

बताया कि व्यापार में नुकसान होने के बाद उसने कर्ज लेकर सट्टे में पैसे लगाए, लेकिन वहां भी सबकुछ गंवा बैठा। जब कर्ज चुकाने का कोई रास्ता नहीं बचा तो उसने लूट का नाटक रचकर खुद को पीड़ित दिखाने की योजना बनाई। उसने बताया कि नुकसान की भरपाई के लिए वह कंपनी की चांदी को धीरे-धीरे ग्राहकों को बेच रहा था, ताकि रकम इकट्ठी कर सके। अब पुलिस यह जांच कर रही है कि उसने चांदी कितनी मात्रा में बेची और खरीदार कौन-कौन हैं।

पुलिस टीम ने घटना का रिक्रिएशन किया यानी लूट की कथित स्थिति को दोबारा समझने की कोशिश की। इसमें पाया गया कि घर में जबरन घुसने या किसी संघर्ष का कोई सबूत नहीं मिला। कमरे का दरवाजा, ताले और खिड़कियां पूरी तरह सही हालत में थे। इस जांच में तकनीकी साक्ष्यों में भी कई विसंगतियां मिलीं। जैसे मोबाइल लोकेशन, समय का मेल न होना और राहुल की गतिविधियों का संदेहास्पद होना। इन सबने पुलिस को यकीन दिलाया कि पूरी कहानी मनगढ़ंत है।

आरोपी में राहुल गोयल अग्रवाल पिता का नाम: हरिओम अग्रवाल आयु: 39 वर्ष स्थायी पता: बैंक कॉलोनी, पला रोड, अलीगढ़ (उत्तर प्रदेश) वर्तमान पता: जैन मंदिर के पीछे, सदर बाजार, राजधानी पैलेस, थाना कोतवाली, रायपुर कंपनी और पृष्ठभूमि की जांच जारी पुलिस के मुताबिक, राहुल गोयल चेन फाउंडेशन ऑफ आगरा नामक कंपनी में कार्य करता है। यह कंपनी चांदी के उत्पाद तैयार करती है और राहुल रायपुर में रहकर ऑर्डर लेने और बिक्री का काम करता था। कंपनी के अधिकारियों से भी पूछताछ की जा रही है कि उन्हें कब और कितनी चांदी की कमी का पता चला। यह भी जांच का विषय है कि राहुल ने कंपनी की जानकारी के बिना कितना माल बेचा।

पुलिस अधिकारियों की सतर्कता और त्वरित कार्रवाई ने इस झूठी लूट की कहानी का पर्दाफाश किया। कोतवाली थाना प्रभारी और विशेष जांच टीम ने लगातार 24 घंटे से अधिक मेहनत कर यह सिद्ध किया कि कोई बाहरी आरोपी नहीं था, बल्कि पूरा षड्यंत्र प्रार्थी ने खुद रचा था। अब पुलिस राहुल गोयल के खिलाफ धोखाधड़ी, भ्रामक सूचना देने और सबूत मिटाने से संबंधित धाराओं में कानूनी कार्रवाई की तैयारी कर रही है। रायपुर पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि कोई भी व्यक्ति आर्थिक संकट या कर्ज की समस्या से घिरा हो तो कानून का सहारा लें, लेकिन झूठी कहानी गढ़कर जांच एजेंसियों को गुमराह करना गंभीर अपराध है। पुलिस ने चेतावनी दी है कि इस तरह के मामलों में सख्त कार्रवाई की जाएगी।

रायपुर में चाकू के साथ पकड़ाया युवक

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। थाना आजाद चौक पुलिस ने 05 को आमापारा कारी तालाब गार्डन गेट पर अवैध रूप से धारदार चाकू रखने वाले एक युवक को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड में भेजा। यह कार्रवाई स्थानीय पुलिस द्वारा मुखबीर की सूचना पर की गई। सूचना के अनुसार, आमापारा कारी तालाब गार्डन गेट पर एक युवक खड़ा था और उसने कमर में चाकू फंसाकर रखा था, जिससे वहां से गुजरने वाले लोग भयभीत हो रहे थे। सूचना मिलते ही थाना आजाद चौक पुलिस मौके पर पहुँची और युवक की तलाशी ली।

पुलिस ने मौके पर पाया कि आरोपी विनित वासुदेव पुत्र जगदीश वासुदेव, उम्र 19 वर्ष, निवासी वासुदेव पारा रामकुंड थाना आजाद चौक जिला रायपुर है। आरोपी के पास लोहे का बटनदार धारदार चाकू पाया गया। पुलिस ने इसे गवाहों के समक्ष जप्त कर लिया। पुलिस कार्रवाई और कानूनी प्रक्रिया थाना आजाद चौक में आरोपी के विरुद्ध अपराध क्रमांक 296/2025 धारा 25 आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया। आरोपी को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा गया। पुलिस ने बताया कि इस तरह के हथियार रखने और सार्वजनिक स्थान पर भय उत्पन्न करने की घटनाओं पर कड़ी कार्रवाई जारी रहेगी।

स्थानीय प्रशासन और पुलिस ने लोगों से अपील की है कि यदि किसी को सार्वजनिक स्थान पर अवैध हथियार रखने वाला व्यक्ति दिखाई दे, तो तुरंत पुलिस को सूचना दें। इस प्रकार की त्वरित रिपोर्टिंग से अपराधियों पर कार्रवाई तेज़ और प्रभावी होती है।

9 जुआरी गिरफ्तार, धमतरी पुलिस की बड़ी कार्रवाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

धमतरी। जिले में 9 जुआरी गिरफ्तार किए गए है, थाना रूद्री को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई थी कि ग्राम बेंदरानवागांव के जंगल क्षेत्र में कुछ व्यक्ति आपस में ताश पत्तों से जुआ खेल रहे हैं। हाथी विचरण क्षेत्र होने के कारण जुआरियों को यह भ्रम था कि पुलिस वहाँ तक नहीं पहुंच पाएगी, इसलिए वे जंगल के भीतर जुआ खेल रहे थे। सूचना मिलते ही धमतरी पुलिस की टीम तत्काल मौके पर पहुँची। पुलिस को देखते ही कुछ जुआरी भागने का प्रयास करने लगे, किंतु सतर्कता और घेराबंदी के दौरान 09 जुआरियों को पुलिस ने मौके

पर ही पकड़ लिया।

पकड़े गए जुआरियों से 40,200 रुपये नगद, 01 बंडल ताश पत्ती 52 पत्ती, 01 नग पीला रंग की तालपत्री, 07 स्मार्टफोन एवं 01 कीपैड मोबाइल कुल कीमती 1,00,000, 03 मोटरसाइकिल एवं 01 स्कूटी (कुल 04 वाहन) कीमती 1,20,000 रुपये,इस प्रकार कुल जुमला 2,60,200 रुपये की सामग्री जप्त की गई। गिरफ्तार जुआरी (01) ऋषभ अजमानी पिता बलजीत अजमानी उम्र 25 वर्ष, साकिन लालबगीचा, धमतरी। (02) अनमोल उर्फ सौरभ ज्ञानचंदानी पिता राजू ज्ञानचंदानी उम्र 25 वर्ष, इतवारी बाजार साई मंदिर के पास, धमतरी। (03) राजीव मीनपाल पिता गणेश मीनपाल उम्र 27 वर्ष, आमापारा गौराचौरा के पास, धमतरी। (04) संतोष सोरी पिता स्व. भन्नूलाल सोरी उम्र 45 वर्ष, हाऊसिंग बोर्ड कॉलोनी श्यामतराई, धमतरी। (05) संतोष निर्मलकर पिता कल्याण निर्मलकर उम्र 30 वर्ष, बिलाई माता मंदिर के पास, धमतरी। (06) मनोज साहू पिता दिनानाथ साहू उम्र 32 वर्ष, सोरिद डीपोपारा, धमतरी। (07) सावन उर्फ गुड्डू यादव पिता स्व. भूवन यादव उम्र 32 वर्ष, सोरिद नगर, धमतरी। (08) हरिश पवार पिता सतीश पवार उम्र 19 वर्ष, मराठापारा, धमतरी। (09) श्यामलाल ध्रुव पिता स्व. कुशलराम ध्रुव उम्र 45 वर्ष, साकिन सोरम, थाना रूद्री शामिल हैं।

पुलिस ने अवैध शराब के साथ आरोपी जितेन्द्र को किया गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। खरोरा थाना पुलिस ने 05 अक्टूबर 2025 को अवैध शराब के परिवहन और बिक्री के आरोप में जितेन्द्र बांधे नामक आरोपी को गिरफ्तार किया। आरोपी के कब्जे से कुल 40 पौवा देशी मदिरा मशाला शराब बरामद की गई, जिसकी मात्रा 7.200 लीटर थी और इसकी कीमत लगभग 4,000 रुपये आंकी गई है। इसके साथ ही परिवहन में उपयोग की जा रही जूपिटर स्कूटी क्र. CG 04 PV 8632 भी जप्त की गई, जिसकी अनुमानित कीमत 35,000 रुपये है। यह कार्रवाई वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. लाल उमेंद सिंह के दिशा निर्देश, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) कीर्तन राठौर के मार्गदर्शन तथा नगर पुलिस अधीक्षक (विधानसभा) वीरेन्द्र चतुर्वेदी के पर्यवेक्षण में थाना प्रभारी खरोरा के नेतृत्व में की गई।

पुलिस के अनुसार, 05 सितंबर 2025 को

मुखबीर से सूचना मिली कि ग्राम गैतरा मेन रोड में एक स्कूटी पर अवैध रूप से शराब रखकर बिक्री हेतू परिवहन किया जा रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम तुरंत बताए गए स्थान पर पहुंची और घेराबंदी कर गवाहों की उपस्थिति में आरोपी जितेन्द्र बांधे को शराब लेकर परिवहन करते हुए पकड़ लिया। जांच में पता चला कि आरोपी के पास शराब रखकर बिक्री और परिवहन करने के संबंध में कोई वैध दस्तावेज नहीं थे। मौके पर आरोपी के कब्जे से सफेद रंग की प्लास्टिक बोरी में रखी कुल 40 पौवा देशी मदिरा मशाला शराब बरामद की गई। प्रत्येक पौवा में लगभग 180 मिलीलीटर शराब भरी हुई थी, जिससे कुल मात्रा 7 लीटर 200 मिलीलीटर हुई। इसके अलावा, शराब परिवहन में इस्तेमाल जूपिटर स्कूटी क्र. CG 04 PV 8632 भी जप्त की गई।

अवैध शराब के मामले में आरोपी को पुलिस ने मौके पर ही विधिवत् गिरफ्तार किया। गिरफ्तारी की सूचना परिजनों को भी दी गई। इसके बाद आरोपी को न्यायिक रिमाण्ड पर माननीय न्यायालय में पेश किया गया। आरोपी पर अप. क्र. 692/2025, धारा 34(2) आबकारी एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि इस तरह की कार्रवाईयों से अवैध शराब की तस्करी और बिक्री को रोकने में मदद मिलती है।

खरोरा थाना क्षेत्र में लगातार सतर्कता बनाए रखने और अवैध शराब वितरण करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जा रही है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. लाल उमेंद सिंह ने नागरिकों से अपील की है कि यदि वे किसी भी प्रकार की अवैध शराब की गतिविधि देखें, तो तत्काल पुलिस को इसकी सूचना दें। अधिकारियों ने यह भी स्पष्ट किया कि ऐसे अभियानों से न केवल कानून और व्यवस्था को बनाए रखने में मदद मिलती है बल्कि अवैध शराब के कारण होने वाले अपराधों और दुर्घटनाओं को भी रोका जा सकता है। यह गिरफ्तारी स्थानीय प्रशासन और पुलिस की सक्रियता का परिणाम है, जो कि आबकारी अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण सुनिश्चित करने के लिए लगातार प्रयासरत हैं।

बिलासपुर में असामाजिक तत्वों पर सिविल लाइन पुलिस ने की कार्रवाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। थाना सिविल लाइन पुलिस ने रविवार 5 अक्टूबर 2025 को क्षेत्र में शांति और कानून व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से असामाजिक तत्वों और बदमाश प्रवृत्ति वाले व्यक्तियों के विरुद्ध बी.एन.एस.एस. की धारा 170 के तहत प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की है। यह कार्रवाई शहर में अशांति फैलाने, सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने और विवाद उत्पन्न करने वाले तत्वों को चिन्हित कर उनके खिलाफ कानूनी कदम उठाने के लिए की गई। पुलिस ने बताया कि पिछले कुछ समय से क्षेत्र में कुछ व्यक्तियों द्वारा आपराधिक प्रवृत्ति के कृत्य और असामाजिक गतिविधियां की जा रही थीं। ऐसे लोग समुदाय में तनाव और भय का वातावरण पैदा कर रहे थे। पुलिस ने यह सुनिश्चित किया कि शांति और कानून व्यवस्था बनाए रखने के

लिए इन लोगों पर नजर रखी जाए और आवश्यक कार्रवाई की जाए।

आरोपियों में साहिद खान, पिता जोहर खान, उम्र 21 वर्ष, निवासी मरीमाई मंदिर तालापारा, थाना सिविल लाइन। कलीम खान, पिता हसन खान, उम्र 38 वर्ष, निवासी तालापारा भारत चौक, थाना सिविल लाइन। नावेद अली उर्फ सुलतान, पिता फरीद अली, उम्र 22 वर्ष, निवासी जरहाभाठा मंदिर चौक, थाना सिविल लाइन। देव सिदार उर्फ बोददा, पिता राज सिदार, उम्र 21 वर्ष, निवासी मिनीबस्ती जरहाभाठा, थाना सिविल लाइन। जीवन कुमार डहरिया, पिता सुखदास, उम्र 40 वर्ष, निवासी भूकंप अटल आवास, थाना सरकंडा। थाना सिविल लाइन पुलिस ने बताया कि इस कार्रवाई के माध्यम से इन असामाजिक तत्वों और अपराध प्रवृत्ति वाले व्यक्तियों को चेतावनी देने के साथ-साथ उनके भविष्य के आपराधिक कृत्यों पर रोक लगाई जाएगी। पुलिस का कहना है कि शहर में शांति, सुरक्षा और कानून व्यवस्था बनाए रखना प्राथमिकता है, और किसी भी व्यक्ति को कानून को चुनौती देने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

पुलिस अधिकारियों ने यह भी बताया कि क्षेत्र में लगातार निगरानी रखी जा रही है और किसी भी तरह की आपराधिक गतिविधि पर त्वरित प्रतिक्रिया दी जाएगी। उन्होंने यह स्पष्ट किया कि यदि कोई व्यक्ति समाज में अशांति फैलाने का प्रयास करता है, तो उसके खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। शहर के नागरिकों ने इस कार्रवाई की सराहना करते हुए कहा कि पुलिस की सतर्कता और समय पर कार्रवाई से लोगों में सुरक्षा और विश्वास की भावना बनी रहेगी।

उन्होंने पुलिस से अपील की कि भविष्य में भी इस तरह के असामाजिक तत्वों पर नजर रखी जाए और उन्हें समाज में पुन: अशांति फैलाने का अवसर न मिले।थाना सिविल लाइन के वरिष्ठ अधिकारियों ने कहा कि यह कार्रवाई शहर में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने और नागरिकों को सुरक्षित वातावरण प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस कार्रवाई से असामाजिक तत्वों को संदेश मिलेगा कि कानून को चुनौती देना किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। पुलिस का यह कदम न केवल वर्तमान में शांति बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण है, बल्कि भविष्य में किसी भी प्रकार की अशांति, विवाद या अपराध प्रवृत्ति के कृत्यों पर प्रभावी रोक लगाने के लिए भी आवश्यक है। अधिकारियों ने नागरिकों से सहयोग की अपील की और कहा कि कोई भी संदिग्ध गतिविधि देखे जाने पर तुरंत पुलिस को सूचना दें।

बोलेरो और ट्रक की टक्कर में 5 लोगों की मौत

श्रीकंचनपथ न्यूज

कवर्धा। छत्तीसगढ़ के कबीरधाम जिले में आज एक भीषण सड़क हादसा हुआ है। रायपुर-जबलपुर नेशनल हाईवे 30 पर अकलघरिया गांव के पास, बोलेरो और ट्रक की आमने-सामने टक्कर में 5 लोगों की मौत हो गई। इस हादसे से इलाके में अफरा-तफरी मच गई और स्थानीय लोगों में भय का माहौल बन गया।

सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार बोलेरो कोलकाता से मध्यप्रदेश की ओर जा रही थी। तभी सामने से आ रहे ट्रक के साथ जोरदार टक्कर हो गई। दुर्घटना इतनी गंभीर थी कि दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे में पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें तुरंत डायल 112 की मदद से नजदीकी बोड़ला सामुदायिक केंद्र ले जाया गया।

बोड़ला सामुदायिक केंद्र में प्राथमिक उपचार के बाद तीन गंभीर घायलों को जिला अस्पताल रेफर किया गया। दुर्भाग्यवश, रास्ते में ही उनकी मौत हो गई। इससे कुल मृतकों की संख्या बढ़कर 5 हो गई। स्थानीय प्रशासन और पुलिस ने मृतकों के परिवार को जानकारी दी और राहत कार्य शुरू किया। पुलिस कार्रवाई और जांच हादसे की सूचना मिलते ही चिल्फी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी। पुलिस ने दोनों वाहन चालकों से पूछताछ शुरू कर दी है।

वैज्ञानिक पद्धति और नवाचारी खनन के माध्यम से विकास और पारदर्शिता की नई कहानी लिख रहा है छत्तीसगढ़ : मुख्यमंत्री

आईएसएम धनबाद और छत्तीसगढ़ भौमिकी एवं खनन संचालनालय के मध्य क्रिटिकल मिनरल के अन्वेषण के लिए हुआ एमओयू

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध राज्य है। यहां लौह अयस्क, कोयला, बॉक्साइट, सोना, हीरा और कॉपर जैसे बहुमूल्य खनिज प्रचुर मात्रा में उपलब्ध हैं। हाल की खोजों से राज्य क्रिटिकल और दुर्लभ खनिजों के क्षेत्र में और सशक्त हुआ है। मुख्यमंत्री साय ने नवा रायपुर में आयोजित छत्तीसगढ़ माइनिंग कॉन्क्लेव 2025 को संबोधित करते हुए यह बात कही। इस दौरान मुख्यमंत्री की उपस्थिति में आईएसएम धनबाद और छत्तीसगढ़ भौमिकी एवं खनन संचालनालय, तथा कोल इंडिया और छत्तीसगढ़ खनिज विकास निगम के मध्य महत्वपूर्ण एमओयू हस्ताक्षरित हुए। साथ ही 5 माइनिंग ब्लॉकों की एनआईटी जारी की गई और 9 खदानों को प्रिफर्ड बिडर आदेश प्रदान किए गए। मुख्यमंत्री साय ने खनिज ऑनलाइन 2.0, डीएमएफपोर्टल तथा रेत खदानों की ऑनलाइन नीलामी के लिए रिवर्स ऑक्शन पोर्टल का शुभारंभ किया।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि खनिजों का विवेकपूर्ण उपयोग और उद्योगों का संतुलित विकास देश की प्रगति के लिए आवश्यक है। छत्तीसगढ़ में खनन और नए उद्योगों की अपार संभावनाओं को देखते हुए पारदर्शी खनन नीति, ई-नीलामी और डिजिटल निगरानी की व्यवस्था ने इस क्षेत्र को नई दिशा दी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस वर्ष डीएमएफ से 1,673 करोड़ रुपये का अंशदान प्राप्त हुआ, जिससे 9,362 विकास कार्य स्वीकृत किए गए। वर्ष 2024-25 में राज्य को 14,195 करोड़ रुपये का रिकॉर्ड राजस्व प्राप्त हुआ है। उन्होंने कहा कि यह गर्व का विषय है कि छत्तीसगढ़ देश का पहला राज्य है जिसने लिथियम ब्लॉक की नीलामी की है। अब तक 60 खनिज ब्लॉकों की नीलामी पूरी हो चुकी है और पाँच नए ब्लॉकों की निविदा आज जारी की गई है। यह पारदर्शी प्रक्रिया राज्य के आर्थिक विकास में मील का पत्थर सिद्ध होगी।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री खनिज क्षेत्र कल्याण योजना के तहत जिला खनिज न्यास नियम-2025 लागू किए गए हैं। डीएमएफपोर्टल 2.0 से निगरानी और प्रबंधन की प्रक्रिया को सशक्त किया गया है, जिसके लिए भारत सरकार ने छत्तीसगढ़ को सम्मानित भी किया है। उन्होंने कहा कि नई रेत नीति-2025 से पारदर्शिता बढ़ी है और जल्द ही 200 से अधिक रेत खदानों की ई-नीलामी की जाएगी। सतत खनन के लिए आधुनिक तकनीकों का उपयोग किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज क्रिटिकल मिनरल्स के लिए माइनिंग कॉर्पोरेशन और कोल इंडिया लिमिटेड के मध्य एमओयू हुआ है। वहीं क्लीन एनर्जी के क्षेत्र में निवेश को बढ़ावा देने हेतु आईआईटी रुड़की और आईएसएम धनबाद के साथ भी एमओयू साइन किए गए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि वैज्ञानिक और सतत खनन के माध्यम से छत्तीसगढ़ विकास और पारदर्शिता की नई कहानी लिख रहा है। छत्तीसगढ़ निश्चित ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में अग्रणी भूमिका निभाएगा।

छत्तीसगढ़ खनिज विकास निगम के अध्यक्ष सौरभ सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री साय के नेतृत्व में प्रदेश सरकार माइनिंग क्षेत्र में उल्लेखनीय और नवाचारी कार्य कर रही है। खनन से राजस्व और रोजगार दोनों बढ़े हैं तथा सरकार युवाओं को तकनीकी प्रशिक्षण देकर कुशल मानव संसाधन तैयार कर रही है। राज्य में अब टिन से निकलने वाले स्लज से दो नए तत्वों का उत्पादन शुरू हुआ है।

साथ ही क्रिटिकल ओअर रिसाइक्लिंग और ई-वेस्ट मैनेजमेंट पर भी कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में 28 प्रकार के खनिजों का खनन होता है, जिनमें टिन, बॉक्साइट, कोयला, लाइमस्टोन और आयरन ओर प्रमुख हैं। मुख्य सचिव विकासशील ने कहा कि नौ वर्ष बाद माइनिंग कॉन्क्लेव का पुन: आयोजन सराहनीय है। उन्होंने कहा कि स्टेकहोल्डर्स के सुझावों को नीति निर्माण में शामिल करना और ईज ऑफ डूइंग बिजनेस को सशक्त बनाना सरकार की प्राथमिकता है। खनिज क्षेत्र प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत 2047 और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के विकसित छत्तीसगढ़ के लक्ष्य को साकार करने में अहम भूमिका निभाएगा। मुख्य सचिव ने पारदर्शिता, तकनीकी उपयोग, जल संरक्षण, नवीकरणीय ऊर्जा, सौर ऊर्जा और ई-वेस्ट रिसाइक्लिंग को भविष्य की आवश्यकता बताया। उन्होंने राज्य की नई उद्योग नीति की सराहना करते हुए कहा कि इससे बड़ी संख्या में रोजगार सृजित होंगे।

खनिज विभाग के सचिव पी. दयानंद ने छत्तीसगढ़ माइनिंग कॉन्क्लेव को संबोधित करते हुए प्रदेश में खनिज उपलब्धता, नीलामी की पारदर्शी व्यवस्था, उत्खनन में नवीन तकनीकों के उपयोग, विभाग की उपलब्धियों और गतिविधियों पर विस्तार से जानकारी दी। संचालक भौमिकी एवं खनिज साधन रजत बंसल ने भी अपने विचार साझा किए। छत्तीसगढ़ माइनिंग कॉन्क्लेव 2025 में मुख्यमंत्री साय ने खनिज न्यास निधि का प्रभावित क्षेत्रों में उपयोग, कुशल प्रबंधन, पारदर्शिता, सुशासन, प्रभावी संचालन एवं निगरानी को और सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से डीएमएफपोर्टल 2.0 का विमोचन किया। इस पोर्टल में प्रधानमंत्री खनिज क्षेत्र कल्याण योजना की गाइडलाइनों के अनुरूप और छत्तीसगढ़ जिला खनिज संस्थान न्यास नियम, 2015 (संशोधित 2025) में किए गए संशोधनों को शामिल किया गया है। मुख्य खनिजों की तर्ज पर राज्य में गौण खनिज खदानों में भी स्टार रेटिंग प्रणाली के अंतर्गत समुचित एवं वैज्ञानिक पद्धति से खनन को प्रोत्साहन दिया जा रहा है। पर्यावरण प्रबंधन, प्रदूषण नियंत्रण और सुरक्षा मानकों का पालन कर बेहतर कार्य करने वाली 43 खदानों को स्टार अवॉर्ड से सम्मानित किया गया।

मुख्यमंत्री साय ने खदान संचालकों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया और उन्हें इस उपलब्धि के लिए बधाई दी।इनमें 3 खदानों को 5 स्टार, 32 खदानों को 4 स्टार और 8 खदानों को 3 स्टार अवॉर्ड दिए गए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के सचिव राहुल भगत, एसईसीएल बिलासपुर के मुख्य महाप्रबंधक हरीश दुहन, तथा खनिज एवं उद्योग क्षेत्र से जुड़े प्रतिनिधि उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने खनिज ऑनलाइन पोर्टल 2.0 का किया शुभारंभ

खनिज विभाग ने खनिज ऑनलाइन पोर्टल 1.0 का उन्नयन कर 2.0 संस्करण तैयार किया, जिसका शुभारंभ मुख्यमंत्री श्री साय ने किया। यह पोर्टल खनन प्रबंधन यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर सिद्ध होगा। यह केवल तकनीकी उन्नयन नहीं, बल्कि राज्य की पारदर्शिता, जिम्मेदारी और विकास के प्रति अटूट प्रतिबद्धता का प्रतीक है। खनिज ऑनलाइन 2.0 छत्तीसगढ़ के खनन प्रबंधन को देश भर में एक मॉडल सिस्टम के रूप में स्थापित करेगा और आने वाले वर्षों में राज्य की आर्थिक प्रगति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

मुख्यमंत्री ने एमएसटीसी द्वारा निर्मित रेत खदानों के रिवर्स ऑक्शन पोर्टल का किया शुभारंभ

राज्य सरकार ने ईज ऑफ डूइंग बिजनेस की अवधारणा को साकार करते हुए रेत खदानों की पारदर्शी और निष्पक्ष नीलामी के लिए भारत सरकार के सार्वजनिक उपक्रम एमएसटीसी के साथ एमओयू किया है। मुख्यमंत्री साय ने आज एमएसटीसी द्वारा निर्मित रिवर्स ऑक्शन पोर्टल का शुभारंभ किया। इस पहल से रेत खदानों का आबंटन तेज गति से होगा और प्रधानमंत्री आवास के हितग्राहियों को पर्याप्त मात्रा में रेत उपलब्ध हो सकेगी। साथ ही राज्य की सरकारी एवं निजी अधोसंरचना परियोजनाओं के लिए रेत की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित होगी।इसके अलावा, करोड़ों रुपये की रॉयल्टी एवं करों से राज्य के राजस्व में उल्लेखनीय वृद्धि होगी।

छत्तीसगढ़ की धरती सदा से रही है साहित्य और संस्कृति की धरा : मुख्यमंत्री साय

प्रभु श्रीराम के ननिहाल और माता शबरी की पावन भूमि पर हुआ राज्य स्तरीय युवा कवि सम्मेलन का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ की साहित्यिक, सांस्कृतिक और कलात्मक परंपराओं को नई ऊर्जा देने के उद्देश्य से विगत रात्रि आयोजित राज्य स्तरीय युवा कवि सम्मेलन में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने प्रभु श्रीराम के ननिहाल और माता शबरी की पावन भूमि को नमन करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ की धरती सदा से साहित्य और संस्कृति की धरा रही है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने अपने उद्बोधन में कहा कि महाकवि कालिदास ने इसी धरती पर मेघदूत जैसे अमर काव्य की रचना की, वहीं गजानन माधव मुक्तिबोध और पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी जैसे यशस्वी साहित्यकारों ने इसी मिट्टी से अपनी पहचान बनाई। उन्होंने अपने पूर्व संसदीय क्षेत्र रायगढ़ के सुप्रसिद्ध संगीत सम्राट राजा चक्रधर सिंह को भी श्रद्धापूर्वक स्मरण किया। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य युवा आयोग तथा खेल एवं युवा कल्याण विभाग का यह अभिनव प्रयास प्रदेश की कला, साहित्य और रचनात्मक प्रतिभाओं को मंच प्रदान कर उन्हें प्रोत्साहन देने का उत्कृष्ट माध्यम है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार युवा साहित्यकारों, रचनाकारों और कलाकारों को निरंतर आगे बढ़ने के अवसर प्रदान कर रही है।

प्रभु श्रीराम के ननिहाल और माता शबरी की पावन भूमि पर हुआ राज्य स्तरीय युवा कवि सम्मेलन का आयोजन

मुख्यमंत्री श्री साय ने संभाग स्तरीय प्रतियोगिताओं से चयनित तीनों विजेताओं को हार्दिक बधाई देते हुए कहा कि इस मंच के माध्यम से युवा कवियों को देश के ख्यातिलब्ध कवियों से मार्गदर्शन प्राप्त होगा, जिससे उनके रचनात्मक विकास को नई दिशा मिलेगी।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उपमुख्यमंत्री एवं खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री अरुण साव ने कहा कि यह सम्मेलन केवल प्रतियोगिता नहीं, बल्कि युवा कवियों के लिए सीखने और सृजन की प्रेरणा का अवसर है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की कला और संस्कृति आरंभ से ही समृद्ध रही है — यहाँ मनुष्य के जीवन से लेकर मृत्यु तक हर अवसर पर गीत गाए जाते हैं। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि जब खेतों में बुआई का समय आता है, तो पूरे वातावरण में ददरिया की मधुर ध्वनि गूंजती है। यहाँ विविध वाद्य, गीत, नृत्य और लोककलाओं की अनूठी परंपरा रही है। श्री साव ने कहा कि यह प्रदेश संतों, महात्माओं और कवियों की कर्मभूमि रहा है, जहाँ से समाज को सदैव नई दिशा मिली है। उन्होंने प्रदेशभर से आए युवा कवियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें अपनी रचनाओं के माध्यम से समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने का आह्वान किया।

इस अवसर पर उच्च शिक्षा मंत्री टंक राम वर्मा, महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े, कौशल विकास मंत्री गुरु खुशवंत साहेब, पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल, विधायक मोतीलाल साहू, छत्तीसगढ़ राज्य युवा आयोग के अध्यक्ष विश्व विजय सिंह तोमर सहित विभिन्न आयोग एवं मण्डल के अध्यक्ष, जनप्रतिनिधि, साहित्यकार, कवि एवं बड़ी संख्या में श्रोता उपस्थित थे।

प्रख्यात कवियों का मनमोहक काव्यपाठ

सम्मेलन में देश के प्रतिष्ठित कवि शशिकांत यादव, दिनेश बावरा, नीलोत्पल मृणाल, कविता तिवारी और मनु वैशाली ने अपनी ओजपूर्ण एवं भावनात्मक कविताओं से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा।

प्रदेश की प्रतिभाओं को मिला सम्मान

राज्य स्तरीय युवा कवि प्रतियोगिता में बिलासपुर जिले की निधि तिवारी ने प्रथम स्थान, मीरा मृदु ने द्वितीय स्थान तथा कोरिया जिले की अलीशा शेख ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। मुख्यमंत्री श्री साय ने सभी विजेता प्रतिभागियों को सम्मानित किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

राज्यपाल रमेन डेका बलरामपुर-रामानुजगंज जिले के प्रवास पर पहुंचे

घटगांव में राज्यपाल ने पहाड़ी कोरवा समुदाय से किया संवाद

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। एक साधारण से पहाड़ी कोरवा ग्राम घटगांव में आज का दिन असाधारण बन गया, जब राज्यपाल रमेन डेका वहां पहुंचे। ग्राम घटगांव में राज्यपाल का आगमन ग्रामीणों के लिए गर्व और उत्साह का अवसर बन गया। ग्रामीणों ने पारंपरिक परिधान पहनकर कर्मा नृत्य के माध्यम से उनका आत्मीय स्वागत किया।

राज्यपाल डेका ने बलरामपुर-रामानुजगंज जिले के विकासखंड राजपुर के इस पहाड़ी कोरवा ग्राम में विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टालों का निरीक्षण किया तथा स्थानीय उत्पादों बांस से बने हस्तशिल्प, वन औषधियाँ और स्व-सहायता समूहों द्वारा तैयार सामग्रियों की जानकारी ली। उन्होंने प्रधानमंत्री जनमन योजना के तहत संचालित आजीविका गतिविधियों, कृषि कार्यों तथा योजनाओं के जमीनी क्रियान्वयन की स्थिति की जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने आयुष्मान कार्ड, ऋण पुस्तिका, टीबी मरीजों को पोषण किट तथा महिला स्व-सहायता समूहों को स्वीकृत ऋण के चेक प्रदान किया।

राज्यपाल श्री डेका ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि केन्द्र एवं राज्य पीएम जनमन योजना अंतर्गत पहाड़ी कोरवा परिवारों को लाभान्वित कर रहा है। राज्यपाल डेका ने पहाड़ी कोरवा परिवारों से संवाद करते हुए उनकी समस्याओं, आवश्यकताओं और शासन की योजनाओं के लाभ की जानकारी ली। समूह की स्व-सहायता समूह की दीदियों ने बताया कि स्व-सहायता समूह से जुड़ने के बाद वे आजीविका संवर्धन कर आय के स्रोत बढ़ा रही हैं और जीवन स्तर में सुधार हुआ है। इस दौरान राज्यपाल श्री डेका ने समूह की दीदियों को सुझाव दिया कि अपने साथ और अधिक लोगों को स्व-सहायता समूह में जोड़ें और आजीविका के अवसर बढ़ाएं।

राज्यपाल डेका ने कहा कि छत्तीसगढ़ 25 वर्षों की विकास यात्रा में एक उभरते हुए राज्य के रूप में तेजी से आगे बढ़ रहा है। राज्य खनिज संपदा से समृद्ध है और यहाँ के लोग मेहनती, सेवा-भावी हैं। उन्होंने कहा कि पहाड़ी कोरवा परिवारों की मेहनत और सादगी प्रदेश की पहचान है। उन्होंने बांस उत्पादन और उसके वैल्यू एडिशन को आत्मनिर्भरता का सशक्त माध्यम बताया तथा पहाड़ी कोरवाओं को बच्चों को अपनी संस्कृति और परंपराओं से जुड़ाव बनाए रखने की बात भी कही। उन्होंने कहा कि नशे से दूर रहकर शिक्षा और आजीविका पर ध्यान देने से जीवन में स्थिरता आएगी। राज्यपाल रमेन डेका ने पहाड़ी कोरवा परिवारों को विभागीय योजना अंतर्गत सामग्री का वितरण किया। कार्यक्रम में सरगुजा के सांसद चिंतामणि महाराज, विधायक उधेश्वरी पैकरा, पुलिस महानिरीक्षक सरगुजा दीपक झा, कलेक्टर सरगुजा विलास भोसकर, पुलिस अधीक्षक बलरामपुर वैभव बैंकर रमनलाल, पुलिस अधीक्षक सरगुजा राजेश अग्रवाल, क्षेत्र के जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक, अधिकारी-कर्मचारी और बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित थे।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950